समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ७

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतीय समिति के नए सत्र (2023-25) की प्रथम बैठक संपन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया व सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्जवलन कर बैठक का शुभारंभ किया। चित्र में (बायें से) सर्वश्री राज कुमार केडिया, रतन लाल साह, संतोष सराफ, नंदलाल रुंगटा, श्रीगोपाल तुलस्यान, संजय हरलालका, रामप्रसाद सर्राफ, निर्मल कुमार झुनझुनवाला, दिनेश जैन, शिव कुमार लोहिया, कैलाशपति तोदी, रंजीत जालान, मधुसूदन सिकरिया, डॉ. गोविन्द अग्रवाल, ओम प्रकाश खंडेलवाल, विजय सकलेचा, टीकम चंद सेठिया और संजय गोयनका।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नए सत्र के राष्ट्रीय पदाधिकारी (बायें से) राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री संजय गोयनका, श्री पवन जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, डॉ. सुभाष अग्रवाल, श्री रंजीत जालान, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, श्री मधुसूदन सिकरिया, श्री निर्मल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता।

इस अंक में

संपादकीय

पर्यावरण संरक्षण : हमारी आवश्यकता

आपणी बात

आइए, चमत्कार के साक्षी बनें

रपट

अखिल भारतीय समिति की बैठक

नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

डिब्रूगढ़, तेजपुर, तिनसुकिया, शिवसागर, बरपेटा रोड, मोरान हाट, नजिरा-गेलकी, सोनारी, शिलापथार (पूर्वोत्तर), बेंगलुरू (कर्नाटक), साकची (झारखंड)

प्रादेशिक समाचार

बिहार, झारखंड, पूर्वोत्तर, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

विशेष

इतिहास के पन्नों से : सम्मेलन का अधिवेशन

आलेख

हर हाथ को काम : डॉ. दिनेश जैन

कविता

मारवाड़ी आपणी मायड़ वाणी
स्यानक घणी दिखावां क्यूं: लक्ष्मण नेवटिया

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS
EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE
& MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS
WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS
CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION
COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS
FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ जुलाई २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
संपादकीय : पर्यावरण संरक्षण : हमारी आवश्यकता	६
आपणी बात : शिव कुमार लोहिया आइए, चमत्कार के साक्षी बनें	७
रपट अखिल भारतीय समिति की बैठक	८-१०
हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष डिब्रूगढ़, तेजपुर, तिनसुकिया, शिवसागर, बरपेटा रोड, मारान हाट, नजिरा-गेलकी, सोनारी, शिलापथार (पूर्वोत्तर), बेंगलुरू (कर्नाटक), साकची (झारखंड)	१३-१४
प्रादेशिक समाचार पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश	१६-२०
त्रैमासिक रिपोर्ट	२३
विशेष इतिहास के पन्नों से	२४
आलेख हर हाथ को काम : डॉ. दिनेश कुमार जैन	२५
समाचार सार	२६
कविता मारवाड़ी आपणी मायड़ वाणी स्यानक घणी दिखावां क्यूं : लक्ष्मण कुमार नेवटिया	२७

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७००००५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सत्र २०२३-२५ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२३-२५ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र के नारा 'आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

प. ब. प्रा. मा. सम्मेलन तदर्थ समिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष का चुनाव करवाने एवं अधिवेशन आयोजित करने के उद्देश्य से दिनांक ४ अप्रैल २०२३ को एक तदर्थ समिति गठित की गई थी। यह तदर्थ समिति संवैधानिक समय सीमा के अंदर चुनाव करवाने में असफल रही। संवैधानिक समय सीमा समाप्त होने पर तदर्थ समिति भंग हो गई। अब इस तदर्थ समिति का कोई अस्तित्व नहीं है।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक व इंस्टाग्राम को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **कैलाश पति तोदी**, राष्ट्रीय महामंत्री

संपादकीय

पर्यावरण संरक्षण : हमारी आवश्यकता

आप पृथ्वी हैं

पृथ्वी सिर्फ हमारा पर्यावरण नहीं है। पृथ्वी हमसे बाहर की कोई चीज नहीं है। सचेतनता के साथ सांस लेते हुए और अपने शरीर पर विचार करते हुए, आपको एहसास होता है कि आप पृथ्वी हैं। आपको एहसास होता है कि आपकी चेतना भी पृथ्वी की चेतना है। अपने चारों ओर देखें– जो आप देखते हैं वह आपका वातावरण नहीं है, यह खुद आप हैं। – थिच नहत हान

पिछले करीब तीन दशकों से ऐसा महसूस किया जा रहा है कि वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से जुड़ी हुई है। इसके संतुलन एवं संरक्षण के संदर्भ में आज पूरा विस्व चिंतित है। पर्यावरण चिंता की घनघोर निराशाओं के बीच एक बड़ा प्रश्न यह है कि कहाँ खो गया वह आदमी जो स्वयं को कटवाकर भी वृक्षों को काटने से रोकता था? गोचरभूमि का एक टुकड़ा भी किसी को हथियाने नहीं देता था। जिसके लिए जल की एक बूंद भी जीवन जितनी कीमती थी। आज पृथ्वी विनाशकारी हासिए पर खड़ी है। सचमुच आदमी को जागना होगा। जागकर फिर एक बार अपने भीतर उस खोए हुए आदमी को ढूँढना है जो सच में खोया नहीं है, अपने लक्ष्य से सिर्फ भटक गया है। यह भटकाव पर्यावरण के लिए गंभीर खतरे का कारण बना है।

मारवाड़ी समाज एक सतत प्रयत्नशील समाज के रूप में अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया है, आज पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी समाज को लेनी होगी, और इस दिशा में हम छोटे-छोटे कदम उठाकर एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं और लाएंगे। हम अतीत व वर्तमान में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा इत्यादि क्षेत्रों में बदलाव का आंदोलन चलाकर परिवर्तन के रथ को सरपट दौड़ाए, ठीक उसी तरह इसे भी एक आंदोलन के रूप में लेकर पूरी मानवता के सामने एक जिम्मेदार समाज का नजीर रखेंगे। हमारे सम्मेलन के सदस्य तो ऐसे पालन की शुरुआत कर चुके हैं, अब पूरे समाज को इसे हाथों–हाथ लेना होगा। कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखते हुए हम पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं। चलिए, ऐसी ही कुछ बातों को जाने और उन्हें अपने दैनन्दिनी जीवन में प्रयोग में लाएँ –

१. **कम से कम प्लास्टिक सामानों का उपयोग करें** बाजार जाते समय प्लास्टिक बैग्स की जगह कपड़े के reusable bags का उपयोग करें।

२. **घरों और दफ्तरों में LED बल्ब्स का उपयोग करें** बिजली का बिल भी कम आएगा और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन भी कम होगा। कमरे से बाहर निकलें तो बिजली के स्विच ऑफ कर दें!

३. **ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएँ** और उनका ध्यान रखें। पेड़ हमें भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वे ऊर्जा बचाने, हवा को साफ करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी मदद करते हैं।

४. **ई-टिकट के साथ उड़ान भरें** ई-टिकट के साथ उड़ान भरने से कागज की बचत हो सकती है और लागत मूल्य 10 डॉलर से घटकर 1 डॉलर हो जाएगा।

५. **अपनी रोशनी बदलें** जब आप इनकैंडेसेंट बुइट्स के बजाय कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट रोशनी का उपयोग करते हैं, तो आप बिजली की खपत को 75% तक कम कर देते हैं।

६. **बोतलबंद पानी पर पुनर्विचार करें** प्लास्टिक की बोतलों के बजाय रिफिल करने योग्य पानी की बोतल का उपयोग करने से आपके द्वारा पीने वाले प्रत्येक लीटर पानी के लिए लगभग 3 लीटर पानी की बचत होती है।

७. **लीकेज पाइपों को ठीक करें** अपने घर में लीकेज को तुरंत ठीक करने से, प्रति घर औसतन 10,000 गैलन पानी की बर्बादी बचाई जा सकती है।

८. **दूरसंचार** दूरसंचार का उपयोग कर प्रति दो दिन की यात्रा की कटौती करके औसतन आधा टन कार्बन बचाया जा सकता है।

९. **भोजन में** जब आपका भोजन प्लास्टिक की थैलियों या कंटेनरों में नहीं आता है, तो आप 260 से अधिक प्रजातियों को प्लास्टिक का मलबा खाने से रोकने में मदद करते हैं। उपर्युक्त बातों का ध्यानपूर्वक पालन करते हुए हमें जहाँ वृक्षारोपण करने का मौका मिले वहाँ हम वृक्ष लगाएं। वृक्षारोपण महत्वपूर्ण क्यों है? इसके पीछे कई कारण हैं। मुख्य कारणों में से एक कारण यह है कि वृक्ष जीवन-प्रदान करने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिसके बिना मानव जाति का अस्तित्व असंभव है। एक पेड़ अपने 50 साल के जीवन में करीब ५ करोड़ रुपए की सेवाएं देता है। दिल्ली का एक एनजीओ **दिल्ली ग्रीन्स** ने 2013 में एक अध्ययन किया था। इसके मुताबिक एक स्वस्थ पेड़ साल में जितनी ऑक्सीजन देता है, अगर उसे खरीदने जाएं तो कीमत 30 लाख रुपए से भी ज्यादा होगी। इन सेवाओं में वायु प्रदूषण का नियंत्रण 35 लाख का, भूक्षरण 18 लाख का, पानी रिसायकल 41 लाख का, मिट्टी उर्वरक बनाने जैसी सेवाएं शामिल हैं। यूं तो एक-एक पेड़ अमूल्य है, लेकिन यह आंकड़े यह तो बताते ही हैं कि पेड़ लगाने का हमारा प्रयास कितना महत्वपूर्ण होता है।

यह पृथ्वी एवं पृथ्वी के सभी प्राणियों के अस्तित्व पर प्रश्न चिह्न है। जलवायु परिवर्तन आज के ज्वलंत प्रश्न के रूप में मनुष्य के सामने खड़ा है। हम अपने आने वाली पीढ़ी को किस प्रकार की पृथ्वी सौंपते हैं, वह हमारी आज की जीवन शैली निर्धारित करेगी। आज हम इस समस्या का किस प्रकार से सामना करते हैं, यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

आइए, हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होवें!

आइए, चमत्कार के साक्षी बनें

– शिव कुमार लोहिया

राम! राम !!

हम सभी जानते हैं कि कुछ बड़ा करने के लिए इरादे और हौसले की आवश्यकता होती है। यह इरादा और हौसला जब एक समूह में एक लक्ष्य हासिल करने में संलग्न हो जाती है तो उसकी शक्ति में गुणात्मक बढ़ोत्तरी होती है। सत्र २०२३-२५ के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण मिलकर एक टीम पूरे उत्साह, लगन के साथ अपने-अपने क्षेत्र में कार्य संपादन में लग गए हैं। इसका ताजा उदाहरण ९ जुलाई २०२३ को आयोजित अखिल भारतीय समिति के बैठक में देखने को मिला। सम्मेलन के प्रवीण पूर्व पदाधिकारीगण एवं प्रवीण कार्यकर्ताओं का मानना है कि अखिल भारतीय समिति में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थित कम से कम पिछले १५ वर्षों में प्रथम बार हुई है। हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, पूर्व महामंत्रियों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति एवं भागीदारी से बैठक में चार-चाँद लगा दिया। कोलकाता एवं बाहर से आगंतुक प्रतिनिधियों के उपस्थिति की संख्या अपने आप में एक कहानी बयां करती है। बैठक में व्याप्त सकारात्मक उर्जा को महसूस किया जा सकता था। जब मैं यह सोचता हूँ कि सत्र २०२३-२५ के शुरुआत में ही मुझे रथ महोत्सव पर पुरी जाने का जो सुअवसर प्राप्त हुआ, वह मात्र संयोग था या किसी अदृश्य शक्ति का संयोजन।

जब व्यक्तियों का समूह एक ही लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगन एवं निष्ठा से कर्मरत हो जाता है तो चमत्कार घटने लगता है। आईए, सब मिलकर इस चमत्कार के होने में अपना योगदान दें एवं इस चमत्कार के प्रत्यक्षदर्शी बनें।

उपर्युक्त बैठक में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के मध्य अच्छे सुझाव भी आए। सत्र २३-२५ के लिए घोषित नए पहल का स्वागत किया। शाखाओं की मजबूती के लिए घोषित नए पहल मुझे विशेषकर प्रिय हैं। शाखाओं के लिए निम्नलिखित घोषणा सम्मेलन के वर्तमान एवं भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है :

१. शाखा स्तर पर निम्नलिखित पुरस्कार की घोषणा
२. २० शाखाओं को उनके प्रोजेक्ट के लिए आर्थिक अनुदान
३. सभी शाखाओं से सीधे संपर्क
४. नवनिर्वाचित शाखाध्यक्षों का समाज विकास में चित्र सहित संक्षिप्त परिचय का प्रकाशन
५. शाखाओं की गतिविधियों को फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं समाज विकास द्वारा प्रचार।

बैठक में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र काबरा एवं अन्य कतिपय सदस्यों ने भी शाखा को मजबूती प्रदान करने की बात कही। आप सबों से यह साझा करते हुए हर्ष हो रहा है कि इस सत्र में हमने १०० नए शाखा खोलने का लक्ष्य रखा है। आप सबों के सहयोग से मुझे विश्वास है कि इस लक्ष्य को हम प्राप्त करेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं प्रांतीय अध्यक्षगण भी इस ओर जागरूक हैं, जो कि मेरे लिए उत्साहवर्धक है।

हाल ही में साकची एवं जुगसलाई शाखा के आयोजन में तीन दिवसीय राजस्थानी फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। मैंने साकची शाखा के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार काँवटिया से संपर्क कर उन्हें इस आयोजन के लिए बधाई दिया। यह जानकर मुझे अति प्रसन्नता हुई कि लगभग तीन हजार समाज-बंधुओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के सभी कार्यकर्ताओं को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। सुरेश जी ने मुझे आश्वासन दिया है कि अगर कोई शाखा इस कार्यक्रम को अपने क्षेत्र में आयोजित करना चाहे तो वे पूर्ण सहयोग देंगे। एक अन्य कार्यक्रम जो कि वाराणसी शाखा ने आयोजित किया, उसका विषय था – 'मारवाड़ी संस्कृतिः परंपरा, परिश्रम और परोपकार'। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे आदरणीय बाल-व्यास श्रीकांत शर्मा। हमें अपने गौरवमय इतिहास, खूबियों एवं मारवाड़ियत की विशेषताओं के विषय में आज की एवं आने वाली पीढ़ी को बताना अति आवश्यक है। सबको मिलकर अपने-अपने क्षेत्र में इस विषय में कार्य करना चाहिए।

बिहार एवं पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्षगण श्री युगल किशोर अग्रवाल एवं श्री कैलाश चंद कावरा के शाखा दौरा का समाचार हमें मिलता रहता है। उनको मेरी शुभकामना!

बंधुओं, इस विषय या अन्य सभी विषयों पर आपके सुझाव आमंत्रित हैं। सम्मेलन में योगदान देना यज्ञ में आहुति देने के समान है। सभी की आहुति से ही यह यज्ञ सफल होगा। इस यज्ञ का प्रतिफल होगा समाज एवं राष्ट्र का उत्थान। जब व्यक्तियों का समूह एक ही लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगन एवं निष्ठा से कर्मरत हो जाता है तो चमत्कार घटने लगता है। आईए, सब मिलकर इस चमत्कार के होने में अपना योगदान दें एवं इस चमत्कार के प्रत्यक्षदर्शी बनें। वैसे सावन मास में नए पौधे लगाने के लिए प्रकृति भी पूर्ण सहयोग देती है। इस सत्र की यात्रा हमारी प्रारंभ हुई है, इस यात्रा रूपी पौधे के पल्लवित, पुष्पित होने के लिए सभी की शुभकामना, आशीर्वाद, सद्भावना, सहयोग एवं योगदान की अपेक्षा है।

कई जीत बाकी है कई हार बाकी है / अभी तो जिंदगी का सार बाकी है / यहाँ से चले हैं नई मंजिल के लिए / ये एक पन्ना था अभी तो किताब बाकी है।

आपणी समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज

समाज-सुधार, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटलीकरण, रोजगार में आगे बड़े काम के लिए सम्मेलन तैयार : शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक 'अखिल भारतीय समिति' के नए सत्र (२०२३-२५) की प्रथम बैठक की शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया व सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर हिंदुस्तान क्लब में किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** जी द्वारा सभा प्रारंभ की घोषणा के उपरांत सभी उपस्थित पूर्व अध्यक्षों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों व प्रांतीय अध्यक्षों का सम्मान किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुंगटा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

अध्यक्षीय संबोधन की शुरुआत में श्री लोहिया जी ने नए सत्र के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, श्री राज कुमार केडिया, श्री निर्मल झुनझुनवाला, श्री रंजीत जालान, श्री मधुसूदन सिकरिया, डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनका अपनी टीम में स्वागत किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी का परिचय करवाते हुए श्री लोहिया ने कहा कि इनके महामंत्री नियुक्ति से सम्मेलन के कार्यों में गतिशीलता आई है, मैं इनका स्वागत करता हूँ। आगे श्री लोहिया ने अपने द्वारा शाखाध्यक्ष के साथ संपर्क करने का उल्लेख करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।

भावी गतिविधियों की चर्चा करते हुए श्री लोहिया ने कहा कि हमें पिछले अधिवेशन में पारित प्रस्ताव १. मायड़ भाषा का प्रचार, २. प्री-वेडिंग फोटोशूट, सडकों पर नृत्य, ड्रेस कोड का विरोध, ३. विवाह समारोह में मद्यपान निषेध पर जागरुकता पर जोर देना है, डिजिटलीकरण पर हो रहे कार्यों एवं भविष्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी, राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ प्रत्येक महीने बैठक करने की अपनी इच्छा जताई, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुजुर्गों की सेवा और पर्यावरण पर किए जा रहे पहल, अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय के लिए 'समरसता समिति' के गठन आदि के बारे में विस्तार से विवरण दिया।

तत्पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक कानपुर में आयोजित का कार्यवृत्त सर्वसम्मति से पारित करवाया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर 'महामंत्री की रपट' एवं सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की। साथ ही साथ श्री तोदी ने सम्मेलन के डिजिटलीकरण की रूपरेखा पर विस्तार से सदस्यों को अवगत करवाया।

कार्यसूची के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा विभिन्न उपसमितियों के गठन के निर्णय का अधिकार सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपा गया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के बैंक खातों के संचालन संबंधित आवश्यक प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपना विचार रखते हुए कहा कि "आज मैं यहाँ सिर्फ सुनने और देखने के लिए आया था, पर अभी तक मैंने जो सुना उससे लगा कि सम्मेलन की नई

टीम लोहिया जी के नेतृत्व में अच्छा कार्य कर रही है। यहाँ आने से मुझे यह दृढ़ विश्वास हो गया कि आगे आने वाले दो वर्षों में सम्मेलन कई उपलब्धियां हासिल करेगी।"

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुंगटा** जी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों व प्रांतों से आए अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में हमें प्रति वर्ष ३०-४० बच्चों को अनुदान देने का संकल्प लेकर कार्य करना चाहिए और यह हम कर सकते हैं। मायड़ भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने सलाह दी कि हममें से कम से कम दो लोग प्रत्येक बैठक में मारवाड़ी भाषा में अपना वक्तव्य रखें। आगे उन्होंने प्रांत अध्यक्षों के लिए ५ नए शाखा खोलने का लक्ष्य लेने का भी सुझाव दिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि "संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, हमें इसके टूटन को रोकने के प्रयास के रूप में ऐसे नाटकों का मंचन करवाने की व्यवस्था की कार्यसूची लेनी चाहिए। जिससे समाज में जागरुकता आए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** जी ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि "यह सम्मेलन राजस्थान, हरियाणा और मालवा के सभी लोगों का सम्मेलन है। सम्मेलन का मुख्य काम बहुत समय तक समाज-सुधार का रहा, अब हम समाजसेवा के भी कुछ कार्य कर रहे हैं जो अच्छा है। आगे उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को सुझाव दिया कि उन्हें ऐसी बैठकों में अपने प्रांतों के शत-प्रतिशत प्रतिनिधित्व का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री दिनेश जैन** ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं सभी प्रांतों को 'रोजगार सहायता' के लिए सहयोग देने के लिए हमेशा उपलब्ध मिलूँगा और मानक संचालन प्रक्रिया आपलोगों के साथ साझा करूँगा, जिससे आप इसे अपने प्रांतों में सुचारू रूप से संचालित कर पाएं।

श्री निर्मल झुनझुनवाला ने अपने भावी योजना के बारे में बताते हुए कहा कि मुझे बिहार, झारखंड और उड़ीसा का प्रभार सौंपा गया है। मैं इन तीनों प्रांतों के साथ संपर्क, संवाद के माध्यम से इस सत्र में १५ नई शाखा खुलवाऊँगा और पुरानी निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय कराऊँगा।

श्री मधुसूदन सिकरिया जी ने अपने भावी योजना की जानकारी देते हुए बताया कि मुझे पूर्वोत्तर, सिक्किम और गुजरात का प्रभार दिया गया है। मैं संगठन को विस्तार देने के लिए गुजरात का अगले महीने दौरा कर वहां ३ शाखा खुलवाने का प्रयास करूँगा तथा ३० जुलाई को सिक्किम के शपथ ग्रहण समारोह में भी उपस्थित रहूँगा।

श्री रंजीत जालान जी ने बताया कि मुझे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली का प्रभार सौंपा गया है। मैं यहाँ के प्रांतीय संगठन से संपर्क में हूँ और जल्द ही कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश में पांच शाखाएं एवं दिल्ली में २ शाखाएँ खुल जाएँगी।

डॉ. सुभाष अग्रवाल जी ने अपने भावी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि मुझे केंद्रीय नेतृत्व ने कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना का प्रभार दिया है। राष्ट्रीय महामंत्री ने २ बैठक करवाने का लक्ष्य दिया है, मैं ३-४ बैठक करवाने की कोशिश करूँगा।

श्री राज कुमार केडिया जी ने कहा कि मुझे झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का प्रभार दिया गया है, मैं जल्द ही इन प्रांतों के अध्यक्ष से बात कर वहां का दौरा कर संगठन को विस्तार देने में लगूँगा। श्री लोहिया जी के नेतृत्व में हम सम्मेलन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाएँगे।

पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कैलाश चंद काबरा** जी ने कहा कि शाखाओं की मजबूती के बारे में ध्यान देना चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम करने की आवश्यकता है। असम के भगवान 'ज्योति प्रसाद अग्रवाल' जी के नाम से राष्ट्रीय सम्मेलन एक लाख के पुरस्कार की घोषणा करें, तो पांच साल के पुरस्कार की जिम्मेदारी हम लेने के लिए तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्रीगोपाल तुलस्यान** ने सम्मेलन के कार्यकलापों की जानकारी दी और अगले दो वर्षों में २० शाखाएँ खोलने तथा ५० सदस्य इस वर्ष बनाने के लक्ष्य की जानकारी दी।

उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **डॉ. गोविंद अग्रवाल** ने उत्कल सम्मेलन के कार्यकलापों और बालासोर रेल दुर्घटना में बालासोर शाखा द्वारा किए गए राहत कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट संरक्षक सदस्यों को हमें विशिष्ट मेहमान का सम्मान देने के बारे में सोचना चाहिए।

मध्य प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री विजय कुमार सकलेचा** ने मध्य प्रदेश सम्मेलन के कार्यकलापों से अवगत कराया और पाँच नई शाखाएँ खोलने का वचन दिया। प्रादेशिक महामंत्री **श्री टीकम चंद सेठिया** (उत्तर प्रदेश), **श्री विनोद लोहिया** (पूर्वोत्तर), **श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल** (निवर्तमान अध्यक्ष, पूर्वोत्तर) ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखें।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के मामले में विचार-विमर्श कर कार्रवाई के निर्णय का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास किया गया।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन लाल साह एवं निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि किसी भी योजना की सफलता हेतु एक सफल नेतृत्व की आवश्यकता होती है श्री लोहिया जी जैसा मजबूत नेतृत्व हमें सफलता का सोपान करवाने में सक्षम है।

बैठक में वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, **सर्वश्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल, अशोक कुमार तुलस्यान, राजेश बजाज, अनिल कुमार जाजोदिया, रमेश कुमार बुबना, महाबीर प्रसाद सिंघानिया, जगदीश चन्द्र नाथ मुधड़ा, राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला, सांवर लाल शर्मा, डॉ. उत्तम सिंघल, भगवान दास अग्रवाल, कुष्ण कुमार सिंघानिया, डॉ. सावर धनानिया, पुरुषोत्तम पूरनचंद सिंघल, ओम प्रकाश अग्रवाल, नवीन गोपालिका, सज्जन बेरीवाल, प्रदीप जिवराजका, तारा चंद पटोदिया, विनय कुमार सराफ, पवन बंसल, गिरिधारी लाल सराफ, निरंजन सिकरिया, बिरेन कुमार अगरवाला, रूपचंद करनानी, डॉ. महेश कुमार जैन, प्रदीप कुमार लोढ़ा, प्रेम चंद सुरेलिया, नन्द किशोर अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार तुलस्यान, अरुण प्रकाश मल्लावत, अशोक पुरोहित, रमेश कुमार चांडक, सुरेश कुमार बजाज, सी.ए. अशोक कुमार अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, विश्वनाथ सिंघानिया, संदीप सेक्सरिया, अजय बिनानी, जीवन डाबड़ीवाल, संतोष कुमार अग्रवाल, अशोक शर्मा, अशोक कुमार गुप्ता, शिव रतन अगरवाला, दिनेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनोज जैन, अशोक शर्मा, राम प्रसाद सराफ, दामोदर प्रसाद बिदावतका, शंकर लाल कारिवाल, संतोष कुमार अग्रवाल, विनय कुमार सिंघानिया, राजेंद्र खंडेलवाल, विनोद कुमार केजरीवाल, आलोक झुनझुनवाला, जुगल जाजोदिया, आनंद चोपड़ा, शरत झुनझुनवाला** सहित देशभर से सम्मेलन के पदाधिकारी, सदस्यगण उपस्थित थे।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : डिब्रूगढ़, पूर्वोत्तर

श्री कैलाश धानुका

श्री कैलाश जी धानुका का जन्म १९६४ में असम के डिब्रूगढ़ जिले में हुआ। आप १९९८ से सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। श्री विश्वानाथ मारवाड़ी औषधालय में आपने १० सालों तक अपनी सेवाएँ दी हैं। आप २००८ से मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े हुए है। आप श्री मारवाड़ी नाट्य समिति के कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष रह चुके हैं और आप शिव मंदिर परिचालना कमिटी के सलाहकार भी रह चुके हैं। आप श्री मारवाड़ी एजुकेशन फाउंडेशन में पिछले २३ वर्षों से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं और वर्तमान में इसके आप कोषाध्यक्ष हैं।

शाखा : तेजपुर, पूर्वोत्तर

श्री सुनील सर्राफ

श्री सुनील सर्राफ जी ने समाजसेवा के क्षेत्र में बड़ी सुकीर्ति हासिल की है। अध्यक्ष, एन.ई.आर., आई.सी.सी. पर्यटन और आतिथ्य समिति, ट्रस्टी, नॉर्थ असम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (तेजपुर), कार्यकारी सदस्य, सी.आई.आई. राज्य कार्यकारी परिषद, रोटरी डिस्ट्रिक्ट के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर- ३२४० (२०१७-२०१८), अध्यक्ष, होट ल एवं रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ असम (गुवहाटी) (२०२१-२३), अध्यक्ष, उत्तर असम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (१०१३-१४), अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ तेजपुर (१९९७-९८ एवं २००२-०३), अध्यक्ष, अग्रवाल सभा, तेजपुर (२००६-०८), अध्यक्ष-सोनितपुर क्रशर ओनर्स एसोसिएशन, तेजपुर (१९९८-२०१६), सचिव, श्री मारवाड़ी पंचैती धर्मशाला, तेजपुर (१९९८-२०१३) इत्यादी संस्थाओं में अपनी सेवाएँ दी हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन, तेजपुर शाखा अध्यक्ष के पद पर सत्र २०२३-२५ के लिए निर्वाचित हुए हैं। आपको यूनिवर्सिटी ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड टेक्नोलॉजी, यू.एस.ए. द्वारा डॉक्टर ऑफ एक्सीलेंस, से प्रबंधन में मानद उपाधि, २००९ में असम के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में और २०१४ में आतिथ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए असम सरकार से प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जा चुका है।

शाखा : सोनारी, पूर्वोत्तर

श्री ताराचंद अग्रवाल

श्री ताराचंद अग्रवाल का जन्म २० जुलाई १९६४ में सोनारी, चराईदेव, असम में हुआ। आप सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आप मारवाड़ी युवा मंच, सोनारी शाखा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष रह चुके हैं। अभी आप भारतीय जनता पार्टी, चराईदेव जिला के कोषाध्यक्ष हैं और मारवाड़ी सम्मेलन सोनारी शाखा के अध्यक्ष के रूप में आपका दूसरा कार्यकाल चल रहा है। साथ ही साथ आप सत्यनारायण ठाकुर बाड़ी समिति के सलाहकार की भूमिका का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं।

शाखा : तिनसुकिया, पूर्वोत्तर

श्री पवन केजरीवाल

श्री पवन केजरीवाल जी का जन्म १८ अगस्त १९६१ में हुआ। वर्तमान में आप स्टेशनरी व रियल स्टेट के व्यवसाय से जुड़े हैं। साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। मारवाड़ी युवा मंच होजाई शाखा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में आपने अपनी भूमिका निभाई है। इसके बाद आप प्रांतीय महामंत्री के पद पर रहकर अपनी सेवाएँ दीं। पिछले कार्यकाल में आप मडल 'क' के मंडलीय सहायक मंत्री रहे। वर्तमान में आप मारवाड़ी सम्मेलन के तिनसुकिया शाखाध्यक्ष एवं नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष हैं। साथ ही अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

शाखा : शिवसागर, पूर्वोत्तर

श्री विजय कुमार चित्तावत

श्री विजय कुमार चित्तावत जी का जन्म ०१ जनवरी १९५४ को हुआ। श्री चित्तावत के पिता का नाम स्वर्गीय नंदकिशोर चित्तावत और मां का नाम स्वर्गीय शांति देवी चित्तावत है। आप मूलरूप से राजस्थान के सीकर जिला के दाता रामगढ़ के निवासी हैं। आप अधिवक्ता एवं कर सलाहकार का कार्य कर रहे हैं। आप वरिष्ठ समाजसेवी हैं। पिछले तीन दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन की शिवसागर शाखा के सत्र २०२३-२५ के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

शाखा : बरपेटा रोड, पूर्वोत्तर

श्रीमती स्मिता धीरासरिया 'स्मृति'

श्रीमती स्मिता धीरासरिया 'स्मृति' ने स्नातक (वाणिज्य) की शिक्षा बोंगाईगांव कॉलेज, असम से पूरी की। आपकी लिखने, पढ़ने, भ्रमण करने, काव्य, लघुकथा एवं कहानी लेखन में काफी रुचि है। पुराने गाने सुनना और समाज सेवा करना आपकी शौक में शामिल है। आप होली चाइल्ड इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल, बोंगाईगांव, असम की शिक्षिका थी। अभी तक आपकी कई साझा संकलनों में रचनाएँ छप चुकी हैं।

आपकी अखबारों, पत्रिकाओं आदि में लेख, कविताएँ आदि समय-समय पर प्रकाशित होती रहती है।

आप कई सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं, जिसमें महिला काव्य मंच, बरपेटा इकाई (अध्यक्षा), धार्मिक महिला समिति, बरपेटा रोड, (सचिव), राणीसती महिला मंडल, बरपेटा रोड, (कोषाध्यक्ष) एवं कई काव्य मंचों की आजीवन सदस्या हैं। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा, बरपेटा रोड की अध्यक्षा निर्वाचित हुई हैं।

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : मोरानहाट, पूर्वोत्तर

श्री अर्जुन कुमार भरतिया

श्री अर्जुन कुमार भरतिया का जन्म १४ सितंबर १९५७ को हुआ। भरतिया जी के पूर्वज करीब ७ दशक पूर्व राजस्थान के लक्ष्मनगढ़ (सीकर) से आकर मोरानहाट में बस गए। आपका विवाह श्रीमती कांता देवी भरतिया से हुआ। आप अपनी लगन, मेहनत तथा परमपिता के आशीर्वाद से यहाँ के समाज में अपना स्थान बनाया। आप लाइंस क्लब मोरान शाखा के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान की है। पिछले कुछ वर्षों से सम्मेलन के कार्यों मे बढ़-चढ़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

शाखा : नाजिरा-गिलकी, पूर्वोत्तर

श्री गोपाल हरलालका

श्री गोपाल हरलालका जी का जन्म १९५९ में नाजिरा में हुआ। श्री हरलालका जी १९८५ में नाजिरा नगर पौर समिति के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। आप नाजिरा लायंस क्लब के संपादक एवं सभापति की जिम्मेदारियाँ भी सम्हाली हैं। आप श्री कृष्ण गोवर्धन धारी गौशाला, नाजिरा के कई वर्षों से कार्यकारी अध्यक्ष रहने के बाद २०२२ से अध्यक्ष का दायित्व संभाल रहे हैं। २०२१ में नाजिरा-गिलकी शाखा के अध्यक्ष चुने जाने के पश्चात आपने ३० से अधिक आजीवन सदस्य जोड़कर शाखा को कार्यरत किया। इसके अलावा अनेक संस्थाओं में सक्रिय रूप से जुड़कर उनमें अपनी सेवाएँ प्रदान की है।

शाखा : शिलापथार, पूर्वोत्तर

श्रीमती प्रिया चांडक

श्रीमती प्रिया चांडक का जन्म ०७ सितंबर १९८५ को नोखा राजस्थान में हुआ। आपके पिताजी स्व. किशनलाल तोषनिवाल जी मूलतः नोखा बिकानेर के निवासी थे। आपने बी.ए. तक की शिक्षा मोरीगाँव, असम के कॉलेज से प्राप्त की। आपका विवाह श्री मनीष चांडक जी के साथ हुआ। श्रीमती प्रिया जी ने घर-परिवार के सहयोग से समाजसेवा के कार्यों में अपना कदम बढ़ाया। आप पिछले कई वर्षों से सिलापथार मारवाड़ी युवा मंच और सखियां ग्रुप की सांस्कृतिक संयोजिका रहीं। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की उपाध्यक्षा व सम्मेलन में सांस्कृतिक समिति की संयोजिका रहते हुए अन्य सामाजिक कार्यों से आप जुड़ी रही हैं। इसके साथ ही आपको डांसिंग, सिंगिंग, स्पीकिंग का शौक बचपन से रहा है, और समय-समय पर योग शिविर का संचालन भी आप करती हैं। अपने दायित्व के प्रति सजगता के कारण आज आप मारवाड़ी महिला सम्मेलन की शिलापथार शाखाध्यक्षा पद पर मनोनीत हुई हैं।

शाखा : साकची, झारखंड

श्री सुरेश कुमार काँवटिया

श्री सुरेश कुमार काँवटिया जी का जन्म २० फरवरी १९६२ जमशेदपुर में हुआ। श्री काँवटिया के पिता जी का नाम स्वर्गीय केदारमल काँवटिया और माँ का नाम भागीरथी देवी काँवटिया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से आप टाटानगर गौशाला में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए गौशाला में गोमूत्र एवं गो-फिनायल का निर्माण करवा रहे हैं, जो गौ उपयोगिता एवं संवर्धन की दिशा में एक मजबूत कदम है। आपने अपने निजी प्रयास से **'पहली रोटी गौ माता की'** कार्यक्रम की शुरुआत कर, २०० रोटी गौ माता को टाटानगर गौशाला में खिलाने का पुनीत कार्य पिछले ४ सालों से अनवरत जारी रखे हैं। आपने समाज में बहुत से महापुरुष संतो के सत्संग करवाने में भी मुख्य भूमिका निभाई है। आप सत्र २०२१-२३ में मारवाड़ी सम्मेलन, साकची शाखा के महामंत्री और अभी सत्र २०२३-२५ कार्यकाल के लिए शाखाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए हैं।

शाखा : बैंगलूरू, कर्नाटक

श्री अरुण खेमका

श्री अरुण खेमका जी का जन्म ०७ जून १९५८ में बिहार के भागलपुर जिले में हुआ। श्री खेमका के पिता का नाम स्वर्गीय विश्वनाथ खेमका और मां का नाम श्रीमती शांति देवी खेमका है। आप मूलरूप से राजस्थान के चुरू जिला के रामगढ़ के नवासी हैं। पिछले दो दशकों से आप समाजसेवामूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आप अग्रवाल समाज एवं अग्रवाल सेवा समिति के ट्रस्टी और कार्यकरणी सदस्य रहे हैं। आप महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल के कार्यकारिणी सदस्य हैं। आप मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलुरु शाखा के संस्थापक अध्यक्ष (२००१-०४) रहे। मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलुरु शाखा के भी आप संस्थापक अध्यक्ष सत्र २०१९-२१ के लिए निर्वाचित हुए। अभी आप सत्र २०२३-२५ के लिए दुबारा अध्यक्ष बनाए गए हैं।

शाखा : महिला परिधि बेंगलुरु, कर्नाटक

श्रीमती माया अग्रवाल

श्रीमती माया अग्रवाल जी का बचपन से ही समाजसेवा में रुचि रही, जिसके कारण आप अग्रवाल महिला मंडल, अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, राधिका मंडल, ज्योति शिक्षा आदि संस्थाओं से जुड़ी रहीं। आप अग्रवाल महिला मंडल, बेंगलुरु की अध्यक्षा भी रह चुकी हैं। २००६ में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित व्यंजन प्रतियोगिता में आपको प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। अभी आप मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि की बेंगलुरु शाखाध्यक्षा रहते हुए सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सेवा कार्य कर रही हैं।

सम्मेलन प्रशिक्षण कार्यशाला

बोधशाला की अनुभूति

– बिनोद लोहिया
महामंत्री, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय कार्यालय में ९ जुलाई २०२३ को 'आज की बोधशाला' नाम से एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सूचना प्रोद्योगिकी के विशेषज्ञ श्री प्रमोद मालू जी ने सोशल मीडिया से जुड़े महत्वपूर्ण कौशल से सम्मेलन के सदस्यों को प्रशिक्षित किया। तत्पश्चात वाराणसी से पधारे प्रख्यात ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर श्री अनिल जाजोदिया ने प्रशिक्षण दिया। इस कार्यशाला से पहले कोलकाता स्थित हिंदुस्तान क्लब में अखिल भारतीय समिति की सत्र २०२३-२५ की पहली बैठक आयोजित की गई थी। तदुपरांत देश के विभिन्न भागों से आए हुए प्रतिनिधियों के साथ मुझे भी इस कार्यशाला में भाग लेने का मौका मिला। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं था जो मैं पहले से नहीं जानता था, परंतु कार्यशाला के बाद लगा की ज्ञान-चक्षु खुल गए। मेरे लिए नितांत नया अनुभव था।

श्री अनिल जाजोदिया ने निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डाला :

१. हम सभी के गाँव-शहर में हनुमान जी के मंदिर बहुतेरे मिलते हैं, परंतु जामवंत के नहीं मिलते। हनुमान को जामवंत मिले, उन्होंने हनुमान को प्रेरित किया और हनुमान ने असाध्य को साध लिया। आज जामवंत नहीं मिलते हैं। अपने जामवंत खुद को ही बनना होगा। स्वयं प्रेरित होना होगा और असाध्य को साधना होगा।
२. बतौर पदाधिकारी हमें दूसरों को नेतृत्व प्रदान करने के लिए खुद को तराशना होगा, तभी समाज में सक्षम नेतृत्व उभरकर आएगा। इस मानसिकता से हमें बाहर निकलना होगा कि यह कार्य कोई और नहीं कर पाएगा।
३. हम अकसर किसी भी काम के न कर सकने पर संसाधनों की कमी का रोना रोने लगते हैं। अगर लक्ष्य निर्धारित है और हममें लगन है तो संसाधन की कमी हमारा रास्ता नहीं रोक सकती।
४. आज जब कोई मारवाड़ी शब्द को परिभाषित करता है तो स्वतः कई विशेषण इसके साथ जुड़ जाते हैं, मसलन कर्मठ, दूरदृष्टि, मितव्ययी, अंगीकार्य (adoptable), सेवाभावी, स्वीकार्य, दानशीलता, मधुर स्वाभाव आदि-आदि। लेकिन शौर्य, साहित्य, नौकरशाही इत्यादि में हमारी गणना नहीं होती, जबकि हम हर जगह मौजूद हैं। हमें भविष्य की चुनौतियों का आंकलन कर अभी से तैयारियां करनी होगी। हमारे कार्यकलाप से भविष्य के मारवाड़ियों के लिए परिभाषा बनेगी।
५. Self-made is a myth हम सभी से कुछ न कुछ सीखते रहते हैं। आज हम जहाँ भी खड़े हैं इसमें माता-पिता, गुरु, सहयोगी, मित्र, बंधु-बांधव, जीवनसाथी, बच्चे, प्रकृति और न जाने क्या-क्या, सभी का अवदान है, संघर्ष हमें करना होगा। मेरे हिस्से का संघर्ष किसी और के करने से मुझे सफलता नहीं मिल सकती।
६. मारवाड़ी समाज के हर व्यक्ति के लिए आवश्यक हो कि : समाज की व्याप्त बुराइयों से छुटकारा, समाज की उन्नति, समाज का सम्मान।

बहुत बार ऐसा देखा जाता हैं कि संस्थाओं में आप मंच के खिलाफ बोलिए, तालियां बजेंगी और आप पर लोगों का ध्यान केंद्रित होगा, यह धारणा अनुचित है। यदि सिस्टम को सुधारना है तो हमें सकारात्मक भूमिका अदा करनी होगी। हमें निम्नलिखित एरिया पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए :

अ) स्वयं, आ) संस्था (जैसे सम्मेलन का अखिल भारतीय स्वरुप), इ) संस्था से संबंधित मेरा प्रांत / मेरी शाखा, ई) संस्था के प्रति मेरे कर्तव्य, उ) लोगों की मेरे से अपेक्षा, ऊ) कार्यक्षेत्र का निर्धारण, ऋ) लक्ष्य।

हम कैसे याद किए जाएंगे, मेरे व्यक्तित्व के बारे में क्या धारणा बन रही है, इसका आंकलन हमें होना चाहिए। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक कार्य योजना निर्धारित की जानी चाहिए।

शाखा समाचार : झुमरी तिलैया, झारखंड

१२ हजार पौधों का निःशुल्क वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन झुमरी तिलैया शाखा के द्वारा १२ हजार फलदार आम और अमरुद के कलमी पौधों का निःशुल्क वितरण, मुख्य अतिथि कोडरमा की सांसद सह केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी के हाथों से सामाजिक संगठनों एवं ग्रामीणों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्री रामरतन महर्षि ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल शरीक हुए। शाखा अध्यक्ष ने अपने स्वागत संबोधन में बताया कि इस योजना का उद्देश्य पर्यावरण सुरक्षा एवं ग्रामीणों को फल खाने को मिले इसी उद्देश्य से की गई है। कोडरमा की सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हमने प्रकृति का जरूरत से ज्यादा दोहन किया है जिसके चलते कहीं अनावृष्टि और कहीं अतिवृष्टि हो रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में कोडरमा जिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रयास सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि बसंत मित्तल ने कहा कि यह योजना सराहनीय है, इसे झारखंड के सभी २४ जिलों में संस्था के माध्यम से लागू करवाया जाएगा। कार्यक्रम में जिमखाना क्लब के सचिव अविनाश सेठ, मधुसूदन दारूका, सुरेश जैन, दिनेश सिंह, दीनानाथ पांडे, मनीष पेरीवाल, सुनील खाटूवाला, अरुण मोदी, प्रोफेसर कैलाश राणा, जयंती सेठ, सरिता विजय, अलका बड़गवे, संगीता शर्मा, सुनीता पांडे, सशील झाबड़ा, नारायण सिंह, सुनील बड़गवे, सत्येंद्र सिंह, ओम सोमानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री नवीन पांडया द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित दो पुस्तक संबोधी, सूत्र का विमोचन भी मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवीन पांड्या ने और धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव संदीप केडिया ने किया।

शाखा समाचार : पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

५ जुलाई २०२३ को 'अग्रसेन भवन' के प्रांगण में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने विभिन्न परीक्षाओं में सफलता प्राप्त मेधावी बच्चों के 'प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश अग्रवाल (मेंगोटिया) जी थे। इस समारोह में दसवीं, बारहवीं, सी. ए., आई. आई. टी, बी. ए., एम. बी. ए. आदि विभिन्न प्रकार के परीक्षाओं में समाज के बच्चों को सफलता प्राप्ति पर मनोबल वृद्धि के लिए पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने उन्हें सम्मानित किया।

श्री मुकेश मित्तल जी ने बच्चों का हौसला बढ़ाया तथा उन्हें जीवन में अनेकों सफलताएँ प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। श्री मित्तल ने करा कि यह छात्र-छात्राओं की मेहनत का सम्मान है। मुझे आज समाज के होनहार छात्रों को सम्मानित करके हर्ष महसूस हो रहा है। इन्हीं बच्चों के हाथों में समाज का भविष्य है।

महासचिव सी.ए. विवेक चौधरी, समाजसेवी श्री रमेश अग्रवाल (मेंगोटिया) ने अपना वक्तव्य दिया। सिंहभूम चैंबर के पूर्व अध्यक्ष अशोक भालोटिया, माहेश्वरी समाज पूर्व क्षेत्र के संयुक्त सचिव श्री चित्तरमल धूत, श्री निर्मल काबरा, श्री ओम रिंगसिया, श्री अशोक मोदी एवं श्री संतोष अग्रवाल ने भी अपने विचार प्रकटकिए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री मोहित शाह जी ने दिया। कार्यक्रम में समाज के सर्वश्री दिलीप गोयल, उमेश कुमार शाह, श्याम कुमार खेमानी, सीताराम अग्रवाल, बिनोद देबुका, शंकर लाल मित्तल, शंकर मित्तल (जुगसलाई), बाबूलाल गर्ग, विजय खेमका, अशोक कुमार खंडेलवाल, विमल अग्रवाल, अंकुश जवानपुरिया, सी. ए. विनीत मित्तल, सी.ए. सिद्धार्थ खंडेलवाल, गौरव जवानपुरिया, बिनोद शाह, महावीर अग्रवाल, शम्भू प्रसाद मित्तल, सीताराम देबुका, सुशील रामरेका, आशीष खन्ना, सी.ए. मुकुंद केडिया, अंकित कुमार अग्रवाल, तुषार जिंदल, लाला जोशी, सुनील सोंथालिया, मनोज अग्रवाल, अशोक दीवान, पवन अग्रवाल पप्पी, दीपू डंगबाजिया, पंकज छावछरिया, मालीराम अग्रवाल, कमल लड्ढा, दीपक अग्रवाल, राजेश शर्मा, संजय अग्रवाल, सुशील मित्तल, रामोतार अग्रवाल, संजय अग्रवाल (प्रेस), लखन अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, संगीता मित्तल, नमिता मित्तल, निशा सिंघल, ममता अग्रवाल, उषा चौधरी, रीना अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, अमित कुमार शाह, संजय शर्मा आदि ऊर्जावान युवा सदस्यों ने भागीदारी दर्ज कराई।

शाखा समाचार : साकची एवं जुगसलाई, झारखंड

तीन दिवसीय राजस्थानी फिल्म उत्सव संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा एवं जुगसलाई शाखा के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थानी फिल्म उत्सव का तीन दिवसीय कार्यक्रम दो से चार जुलाई २०२३ को माइकल जॉन ऑडिटोरियम, बिष्टुपुर में किया गया। साकची शाखाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार कॉवटिया जी ने बताया कि यह कार्यक्रम अपनी भाषा संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के लिए किया गया है। इस फिल्म उत्सव में प्यारो बाबुल, नानी बाई रो मायरो, बाबुल थारी लाड़ली इत्यादि फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम से जमशेदपुर और इसके आस-पास के क्षेत्र के हजारों की संख्या में समाज-बंधुओं और विशेषकर नारी शक्ति ने आनंद उठाया। इस राजस्थानी फिल्म उत्सव को ऐतिहासिक सफलता मिली। कार्यक्रम के दौरान झारखंड सरकार के मंत्री श्री बन्ना गुप्ता, समाजसेवी श्रीमती सुधा गुप्ता, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल, समाजसेवी श्री शंकर सिंहल, श्रीमती सविता सिंहल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश रिंगसिया, प्रांतीय संयुक्त महामंत्री श्री दीपक पारीक एवं झारखंड प्रांतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री अरुण बाकरेवाल, श्री अशोक चौधरी, श्री कमल किशोर अग्रवाल, श्री सांवरमल अग्रवाल, श्री आलोक भालोटिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

शाखा समाचार : नगाँव शाखा, पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन, नगाँव शाखा द्वारा असम के राज्यपाल महामहिम श्री गुलाब चंद कटारिया का नगाँव सर्किट हाउस में फ़ुलाम ग़मोसा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें मारवाड़ी सम्मेलन नगाँव शाखा की गतिविधियों और समाजसेवा के कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। उन्हें सम्मेलन के पिछले सत्र की गतिविधियों की पुस्तिका तथा असम के मारवाड़ी समाज 'पुस्तिका' भेंट की। श्री कटारिया ने सम्मेलन के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि अगर आप लोग हमें किसी कार्यक्रम में आमंत्रित करते हैं तो मैं अवश्य पधारूँगा। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों से अलग-अलग परिचय पूछा तथा पैतृक स्थान के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर प्रदीप सोभासरिया, संजय मित्तल, विनोद पोद्दार, अजय मित्तल, मालचंद अग्रवाल, अरुण नागरका और वरुण सोभासरिया उपस्थित थे।

कार्यकारिणी सभा नाजिरा में संपन्न

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की द्वितीय कार्यकारिणी सभा १६ जुलाई २०२३ को सम्मेलन की नाजिरा गेलेकी शाखा के आतिथ्य में नाजिरा में आयोजित की गई। सभा का शुभारंभ प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय महामंत्री बिनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल, प्रांतीय संगठन मंत्री विमल अग्रवाल, संयुक्त मंत्री वीरेन अग्रवाल एवं प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला, मंडल 'क' के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार जैन, प्रांतीय सहायक मंत्री राजकुमार अग्रवाल व आतिथ्य शाखा नाजिरा गेलेकी के अध्यक्ष गोपाल हरलालका एवं शाखा मंत्री घनश्याम शर्मा द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्वास्थ्य संबंधी कारणों से प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा की अनुपस्थिति में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक की अध्यक्षता में सभा का शुभारंभ हुआ। सभा में एक मिनट का मौन रखकर हाल ही में समाज से जुड़े दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धा प्रकट की गई। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपना संबोधन रखा। उन्होंने नाजिरा स्थित श्री कृष्ण गोवर्धनधारी गोशाला को सहयोग राशि के रूप में ५१ हजार रुपए के आर्थिक अनुदान की भी घोषणा की। सभा की कार्यसूची के अनुमोदन के साथ ही १३ मई को आयोजित गत कार्यकारिणी से संबंधित प्रतिवेदन की जानकारी उपस्थित सभासदों के सम्मुख प्रस्तुत की गई, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके साथ २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन का सूक्ष्म विवरण भी सभासदों के सामने प्रस्तुत किया गया। प्रांतीय कोषाध्यक्ष द्वारा वित्त वर्ष २०२२-२३ का ऑडिटेड लेखा-जोखा सदन के पटल पर प्रस्तुत किया गया। विभिन्न उप समिति संयोजक तथा मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने मंडल से संबंधित त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन की बंदरदेवा, बंगाईगांव, गुवाहाटी, कामरुप, बरपेटा रोड, रंगापाड़ा, मोरानहाट, शिवसागर, जोरहाट, लखीमपुर, देरगांव, तेजपुर, छेकियाजुली, नगाँव, सिलापथार, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, सोनारी, आमगुड़ी, डिमी, सिमलगुड़ी आदि शाखाओं सहित आतिथ्य शाखा नाजिरा गेलेकी सहित लगभग १०५ सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभा में सभी मंडलों के प्रांतीय उपाध्यक्ष, सात मंडलीय प्रांतीय सहायक मंत्री, प्रांतीय सलाहकार प्रदीप खदरिया, सुरेश बजाज तथा वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य जुगल किशोर सिंघी अतिथि के रूप में मौजूद थे। वहीं सभा में शिवसागर, नाजिरा, सिमलगुड़ी के सम्मेलन से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों एवं समाजसेवी क्रमशः शुभकरण शर्मा, शंकरलाल झुरिया, सीताराम जगाती, कन्हैयालाल हरलालका, गोपाल प्रसाद शर्मा, हनुमानमल ओसवाल एवं तिलोक चंद हरलालका का अभिनंदन किया गया। श्री रमेश कुमार चांडक ने मंडल 'ख' के प्रांतीय उपाध्यक्ष माखनलाल गट्टाणी व प्रांतीय संयुक्त सचिव विनोद बजाज के नेतृत्व में सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा किए जा रहे समाज गणना कार्य हेतु उन्हें बधाई दी। आतिथ्य शाखा के उपाध्यक्ष प्रमोद हरलालका के निधन की सूचना मिलने के बाद सभा ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा। श्री रमेश कुमार चांडक के नेतृत्व में प्रांतीय कार्यकारिणी के कई सदस्य प्रमोद हरलालका के निवास स्थान पर पहुंचे और आकस्मिक निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

हर्षित हत्याकांड की तह तक जाँच जरूरी : श्री काबरा

असम के दरंग जिले के खारूपेटिया नगर में गत २८ जून २०२३ को एक दर्दनाक घटना से राज्य का सकल मारवाड़ी समाज स्तब्ध था। ऐसा आरोप है कि श्री विवेक जैन के १९ वर्षीय पुत्र ने अपने ही १३ वर्षीय छोटे भाई हर्षित की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना का संज्ञान लेने मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री रमेश चांडक एवं महामंत्री बिनोद कुमार लोहिया खारूपेटिया पहुँचे और पीड़ित परिवार से मिलकर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए परिवार को हर संभव सहयोग देने का विश्वास दिलाया। मामला ड्रग और ऑनलाइन बेटिंग से जुड़ा नजर आ रहा है। स्थानीय पदाधिकारियों के साथ प्रतिनिधि मंडल ने दरंग जिला पुलिस अधिक्षक श्री प्रकाश सोनोवाल से मुलाकात कर उच्च स्तरीय जाँच की माँग की। पुलिस अधीक्षक ने भरोसा दिलाया कि हर एंगल से मामले की जाँच की जाएगी।

इसके पश्चात खारूपेटिया शाखा के तत्वावधान में स्थानीय श्री हनुमान मारवाड़ी धर्मशाला में शाखा के अध्यक्ष श्री पवन पोद्दार की अध्यक्षता में आयोजित सभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए श्री काबरा जी ने कहा कि ड्रग्स और जुआ पर लगाम लगाना जरूरी है। आज ड्रग्स और जुआ के कारण समाज कलंकित हो रहा है, परिवार टूट रहे हैं, हिंसा हो रही है। इससे समाज को सचेत होने का आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश चांडक ने समाज-सुधार के क्षेत्र में सम्मेलन सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा की गई और की जा रही उपलब्धियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। महामंत्री श्री बिनोद लोहिया ने भी इस संकट के समय समाज द्वारा करणीय कार्य के बारे में विस्तार से बताया। सभा में शाखा के पूर्व अध्यक्ष सर्वश्री पवन बैद्य, चंदनमल झांझरी, विक्रमादित्य झांझरी, नीलम अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, समाजसेवी श्री अशोक नागोरी, स्थानीय वार्ड पार्षद श्रीमती स्निग्धा जैन, सर्वश्री विनोद काला, गणेश तोषनीवाल ने भी सभा को संबोधित किया।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

प्रांतीय अध्यक्ष शाखा का दौरा

४ जुलाई २०२३ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री जुगल किशोर अग्रवाल व उपाध्यक्ष श्री अमर कुमार दलान, वरीय उपाध्यक्ष श्री मातादीन अग्रवाल, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री पंकज मानसिंहका व अन्य पदाधिकदारियों द्वारा बक्सर शाखा, मोहनिया शाखा व भभुआ शाखा का दौरा किया गया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना है। इसके साथ ही मोहनिया शाखा का चुनाव भी संपन्न करवाया गया। ६ जुलाई २०२३ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष श्री मातादीन अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष श्री अमर कुमार दहलान, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल, प्रमंडलीय मंत्री श्री राजेंद्र अग्रवाल द्वारा औरंगाबाद शाखा, नवीनगर शाखा, गया शाखा का दौरा किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

०४ जुलाई २०२३ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, नगर शाखा मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में सिकंदरपुर मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय श्री प्रणव कुमार, नगर शाखा अध्यक्ष श्याम सुंदर भरतिया, महामंत्री संदीप अग्रवाल, मुक्तिधाम संयोजक डॉ. रमेश केजरीवाल, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सुंदर भिमसेरिया, महामंत्री सज्जन शर्मा, आनन्द केडिया, अरुण चमड़िया, आलोक केडिया, सज्जन नेमानी, अशोक नेमानी, राजकुमार अग्रवाल, श्रवण सर्राफ, मनीष नेमानी, गणेश पोद्दार, दीपक भरतिया, विजय शर्मा, अशोक अग्रवाल, कृष्ण अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, सुभाष बिजराजका, प्रकाश केजरीवाल, प्रेम मोदी सहित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कई पदाधिकारी और सदस्यों सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

शाखा समाचार : पुपरी, बिहार

श्रद्धालु भक्तों की सेवा

हर साल की भाँति इस साल भी बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, शाखा पुपरी द्वारा सावन की सोमवारी पर नागेश्वरनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालु भक्तों के लिए नींबू शरबत एवं शीतल जल के नि:शुल्क वितरण कि सेवा शुरु की। जिसका उद्घाटन लोकप्रिय सभापति श्री ब्रजेश जालान, कार्यपालिक पदाधिकारी श्री केशव गोयल एवं अनुमंडल पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इसकी सूचना पुपरी शाखाध्यक्ष श्री श्याम बिहारी केजरीवाल एवं महामंत्री श्री मानस जालान जी ने दी।

शाखा समाचार : बिहारीगंज

वृक्षारोपण

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, नगर शाखा बिहारीगंज के द्वारा ३० जून २०२३ को होलिका दहन स्थल पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

हार्दिक बधाई

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के स्तंभ श्री पदम बंसल जी के भतीजे प. दिल्ली के पूर्व उपायुक्त श्री घनश्याम बंसल, भारत सरकार के नेशनल कंपनी लॉ अपीली अधिकरण के वित्तीय सलाहकार, डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त हुए है। श्री घनश्याम बंसल जी को अनेकानेक बधाईयाँ!

समाज की बेटियां अपनी उपलब्धियों से आसमान छू रही हैं। खगड़िया की सुश्री जया जालान ने स्कॉट लैंड के स्टलिंग विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ साइंस, बिजनेस एंड मैनेजमेंटकी परीक्षा को सफलता पूर्वक पूरा किया। सुश्री जया की इस उपलब्धि पर हार्दिक मंगलकामनाएँ!

उमंग भुवानिया और आयुष भुवानिया ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सी.ए.) फाइनल ग्रुप-२ परीक्षा में सफलता हासिल की है। इस सफलता पर उमंग और आयुष को हार्दिक बधाई!

सुश्री विशाखा जिंदल सुपुत्री प्रियंका प्रीतम जिंदल सुपौत्री स्वर्गीय गोकुलचंद्र जिंदल ने २०२३ की सी.ए. की परीक्षा में २२३ अंक लाकर सफलता अर्जित की है। विशाखा जिंदल को इस उपलब्धि के लिए ढेरो बधाई!

प्रादेशिक समाचार : बिहार

मेधावी छात्र हुए सम्मानित

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने पटना के बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स प्रशाल में एक समारोह आयोजित कर समाज के प्रतिभावान १५६ छात्र-छात्राओं की सम्मानित किया। इसमें माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, इंजीनियरिंग, आईटीआई, नीट, चार्टर्ड एकाउंटेंट वगैरह की परीक्षाओं में उच्च अंक लाकर सफल हुए विद्यार्थियों को सम्मान स्वरूप मेडल व अन्य उपहार दिया गया। समारोह की अध्यक्षता बिहार प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने की। मारवाड़ी सम्मेलन की पटना शाखा के सहयोग से यह सफल आयोजन हुआ। विधान पार्षद सदस्य श्री ललन कुमार सर्राफ ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं। मुख्य अतिथि के रूप में नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के. सी. सिन्हा ने कहा कि विद्यार्थियों को सफलता के लिए कठिन परिश्रम, पक्का इरादा, सही मार्गदर्शन, रणनीति और समय आने पर ज्ञान व ऊर्जा का सही उपयोग की समझ होनी चाहिए। वहीं सिद्धो-कान्हू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विमल कुमार सिंह ने कहा कि अब तक मारवाड़ी समाज की आने वाली पीढ़ी, पढ़ाई के क्षेत्र में भी अपनी सफलता का परचम लहराने लगी है। मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला ने कहा कि ऐसे आयोजन मेधावी छात्रों के लिए नई ऊर्जा पैदा करते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्री अंजनी सुरेका और धन्यवाद ज्ञापन संयोजक श्री आदर्श आशीष ने किया। कार्यक्रम में सर्वश्री अमर दहलान, माहादीन अग्रवाल, कमल नोपानी, विनोद तोदी, शशि गोयल, रणजीत झुनझुनवाला, मुकेश जैन, सुशील कानोडिया, मुकेश हिसारिया, अभिषेक जैन, गिरधारी लाल जौशी, विनय डोकानिया तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शाखा समाचार : बेतिया, बिहार

स्थायी प्याऊ का लोकार्पण

जनकल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, शाखा बेतिया द्वारा श्री ऋषि जी एवं श्री आशीष जी राजगढ़िया द्वारा अपने पूज्यनीय पूर्वजों के निमित्त प्रदत्त स्थाई प्याऊ का लोकार्पण शहीद स्मारक के सामने श्रीमती शशि राजगढ़िया एवं पार्षद श्री रोहित जी सिकारिया द्वारा अध्यक्ष श्री प्रेम जी सोमानी के साथ संयुक्त रूप से किया गया। अध्यक्ष श्री प्रेम सोमानी ने इस भीषण गर्मी के आम जनता के लिए इस प्याऊ को समर्पित करते हुए कहा कि बेतिया मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एक चलंत प्याऊ एवं पांच अस्थायी प्याऊ के माध्यम से लगभग दो माह तक लोगों को शीतल जल पिलाया गया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही दो स्थायी प्याऊ का लोकार्पण किया जाएगा। उपाध्यक्ष रवि गोयनका ने बताया कि प्याऊ कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज के इस कार्यक्रम में सचिव श्री सुभाष रूंगटा सहित संजय जैन, रेवती रमण, अनिल केसान, देवकीनंदन केयाल, विनय गोयनका, रतन झुनझुनवाला, राकेश गोयल, संदीप केसान, संतोष तुलस्यान ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सम्मेलन ने तीन सदस्यों को किया निष्कासित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत गैरकानूनी, अनैतिक और असंवैधानिक चुनाव प्रक्रिया में सहायक रहे श्री किशन कुमार किल्ला, श्री पंकज कुमार केडिया तथा श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया को सम्मेलन की राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तर की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। इन्होंने सम्मेलन के संविधान के प्रावधानों का खुलेआम उल्लंघन किया था।

प्रादेशिक समाचार : तमिलनाडु

चिकित्सा शिविर का आयोजन

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई एवं रोटरी सेंट्रल मारगरेट सिडनी हॉस्पिटल, नंगनल्लूर के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र, दंत एवं सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन ९ जुलाई २०२३ को सोकार्पेट स्थित श्री अग्रवाल सभा भवन के प्रांगण में किया गया। सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय कुमार गोयल ने आए हुए आगंतुकों का स्वागत किया। श्री अजय नहर जी ने ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के वार्ड ५७ के पार्षद, मुख्य अतिथि श्री राजेश जैन (रंगीला) क ा परिचय दिया। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं रोटरी अध्यक्ष श्री प्रकाश जी, हॉस्पिटल ट्रस्ट के श्री गोपीनाथ एवं हॉस्पिटल समन्वयक श्री सूर्यनारायण राव के द्वारा मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के चेयरमैन श्री बृज खंडेलवाल जी ने कैंप की रिपोर्ट देते हुए कहा कि तकरीबन १०६ लोगों ने कैंप में आकर अपनी चिकित्सा जाँच करवाई एवं कैंप का लाभ लिया। श्री अमित तुलसियान, श्री जयप्रकाश अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्रीमती पारुल अग्रवाल, श्री संजीव अग्रवाल, श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने कैंप को सफल बनाने में पूरा सहयोग दिया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष श्री विजय लोहिया, राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु के अध्यक्ष श्री मोहनलाल बजाज, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक कुमार मुँधड़ा, उपाध्यक्ष श्री अशोक केडिया एवं राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष श्री मालपानी की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अंत में श्री अजय कुमार नहर ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रादेशिक समाचार : मध्यप्रदेश

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संपूर्ण ब्राह्मण सभा और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आई.एम.ए. हाल, राइट टाउन में आयोजित हुया। शिविर में दो हजार से ज्यादा मरीजों की जाँच, परामर्श एवं दवा दी गई। मध्यप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, जबलपुर ने मरीजों के लिए पानी, बिस्कुट और चिप्स की नि:शुल्क व्यवस्था की। कार्यक्रम के शुभारंभ में राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा जी का स्वागत सम्मेलन के अध्यक्ष विजय सकलेचा जी ने फूलमाला पहनाकर किया। मध्यप्रदेश संपूर्ण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष समीर दीक्षित का सम्मान फूलमाला से पूर्व अध्यक्ष कमलेश कुमार नाहटा ने किया। आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र पाण्डेय का सम्मान पी. के. अग्रवाल ने किया। श्री विजय सकलेचा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानव सेवा ही सर्वोपरि है और जो ये सेवा कार्य किया जा रहा है उसके लिए श्री समीर दीक्षित जी और श्री अमरेंद्र पाण्डेय को बहुत साधुवाद। हमें कार्य में सेवा करने का मौका दिया, उसके लिए बहुत आभार।

शाखा समाचार : वाराणसी, उत्तर प्रदेश

मारवाड़ी संस्कृति के मूल में है परंपरा, परिश्रम और परोपकार

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वाराणसी शाखा द्वारा मारवाड़ी संस्कृति पर बृहस्पतिवार को विचार गोष्ठी एवं बालव्यास श्रीकांत शर्मा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बाल व्यास श्रीकांत शर्मा ने कहा कि भारत में संस्कृतियों की विविधता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है और इसे विश्व मानिपत्र के शीर्ष पर स्थापित करने में सहयोगी होगी हर संस्कृति का अपना एक स्वरूप होता है और विभिन्न संस्कृतियों के सामंजस्य से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। मारवाड़ी संस्कृति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि मारवाड़ क्षेत्र हमेशा से ही वीरों, उद्यमियों, कलाकारों, समाज-सेवियों की भूमि रही है और समय-समय पर इन लोगों ने आगे बढ़कर अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन से देश व समाज का गौरव बढ़ाया है। प्रारंभ में मारवाड़ी सम्मेलन, वाराणसी शाखा के अध्यक्ष अनुज डीडवानिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव से ही सेवा व परोपकार के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और काशी की प्रगति में इसका उल्लेखनीय योगदान रहा है।

इस अवसर पर सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार जाजोदिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्रीनारायण खेमका, मारवाड़ी युवक संघ के संरक्षक मंडल के अध्यक्ष दीपक बजाज, पुरुषोत्तम जालान, महेश चौधरी, सुरेश तुलस्यान, मनमोहन लोहिया, गोकुल शर्मा, अवधेश खेमका, पंकज टेकरीवाल ने भी विचार व्यक्त किए।

इसके पूर्व मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवक संघ, मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी महिला संगठन, माहेश्वरी परिषद, ब्राह्मण मंडल, खंडेलवाल समाज, मारवाड़ी युवा फाउंडेशन अरिंदम, जैन समाज व अन्य संगठनों द्वारा माल्यार्पण, अंगवस्त्रम, मानपत्र व स्मृति चिह्न द्वारा बालव्यास का भव्य अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष लोहिया ने तथा अतिथियों का स्वागत मारवाड़ी सम्मेलन के मंत्री मनमोहन लोहिया, सलाहकार अवधेश खेमका, गोपाल अग्रवाल, राधे गोविंद केजरीवाल, कार्यक्रम संयोजक संदीप प्रह्लादका, गोकुल शर्मा, कृष्ण कुमार काबरा, सुरेश तुलस्यान, राजेश गट्टानी, दिलीप खेतान आदि द्वारा किया गया।

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

प्रादेशिक समाचार : उत्तर प्रदेश

मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर की बैठक संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर की प्रथम बैठक साकेत नगर w1 ब्लॉक में श्री ओम प्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि सेवा भाव से हमें हर कार्य को करना है। लोगों के मन में भी सेवा भाव को जगाना है। बैठक में प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान भी उपस्थित रहे। श्री तुलस्यान ने मारवाड़ी समाज के अन्य कार्यों से लोगों को परिचित कराया। महामंत्री प्रदीप केडिया ने कहा कि हमें अपने मारवाड़ी समाज को आगे बढ़ाना है। प्रादेशिक महामंत्री श्री टीकमचंद सेठिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम मायड़ भाषा में अपने बच्चों से बात करें और जो बच्चे नहीं जानते हैं उन्हें सीखाएँ भी। जरूरतमंद समाज-बंधुओं की मदद के लिए भी हमें आगे आना चाहिए। श्री बालकृष्ण देवड़ा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें हरियाली तीज एवं मारवाड़ी समाज के त्यौहार मनाने चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी सर्वश्री गिरिराज अग्रवाल, राजेश बंसल, धनपत जैन, रमन महेश्वरी, कामता प्रसाद, विपुल गोयल, विनीता अग्रवाल, शालू चौधरी, प्रतिभा झांझरिया एवं अन्य उपस्थित रहे।

शाखाओं की त्रैमासिक रिपोर्ट

शाखा : नगाँव, पूर्वोत्तर

● २१ मई २०२३ को सत्र २०२३-२५ के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार सोभासरिया और उनकी कार्यकरिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी काबरा मुख्य अतिथि और प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश कुमार जी चांडक की उपस्थिति में संपन्न। ● २७ मई २०२३ को नगाँव शाखा द्वारा UPSC परीक्षा में संपूर्ण भारतवर्ष में पंचम स्थान प्राप्त डॉ. मयूर हारिका का उनके घर जाकर फुलाम-गामोछा एवं झापी से सम्मान। ● १७ जून २०२३ को असमीया साहित्य एवं संस्कृति के जनक रुपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला की १२१वें जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि अर्पण का कार्यक्रम नगाँव साहित्य सभा के साथ संयुक्त रूप से किया गया। ● १७ जून २०२३ को नगाँव मेडिकल कॉलेज में मेडिकल उपकरण व्हीलचेयर, वाकर, बैसाखियाँ, प्लास्टर कट र के साथ अन्य सामग्री प्रदान की गई। ● २१ जून २०२३ को समाज की अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर ९वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर योग शिविर। ● २९ जून २०२३ को असम के राज्यपाल महामहिम श्री गुलाव चंद कटारिया के नगाँव पधारने पर शाखा द्वारा फुलाम गामोछा पहनाकर अभिनंदन। उन्हें नगाँव शाखा की गतिविधियों तथा समाजसेवा के कार्यों से अवगत कराया गया। ● नगाँव शाखा का अपना एक बेहद लोकप्रिय फेसबुक अकाउंट है जिसमें इस समय ५००० सदस्य (फ्रेंड) हैं। ● शाखा सूचना समाज के लगभग १५०० लोगों को SMS द्वारा दी जाती है। इसकी जानकारी नगाँव शाखाध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार सोभासरिया एवं महामंत्री श्री अजय कुमार मित्तल जी ने दी।

शाखा : होजाई, पूर्वोत्तर

● १५ अप्रैल २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा की साधारण सभा में सर्वसम्मति से श्री नीरंजन सरावगी को अध्यक्ष तथा श्री पवन जी मोर को सचिव के रूप में २०२३-२५ सत्र के लिए चुना गया। ● शाखा द्वारा १०वीं व १२वीं कक्षा में ८० प्रतिशत अंकों से ज्यादा प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान। ● २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा के साथ मिलकर योग शिविर का आयोजन किया गया। ● होजाई शाखा का जनसंपर्क बढ़ाने हेतु एक फेसबुक अकाउंट भी है। इसकी जानकारी होजाई शाखाध्यक्ष श्री नीरंजन सरावगी एवं महामंत्री श्री पवन मोर जी ने दी।

शाखा : छापरमुख, पूर्वोत्तर

● रोहा आंचलिक, छापरमुख आंचलिक तथा अन्य आस-पास की जगहों की बिहु समितियों को आर्थिक सहयोग। ● नामघर उत्सव तथा शंकर शिशु निकेतन के कार्यक्रम में आर्थिक सहायता सहित भागीदारी। ● रोहा में अनुष्ठित असम नाट च सम्मेलन द्वारा कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस तथा डुगडुगी ट्रस्ट उद्घाटन समारोह में शाखा अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल जी का सम्मान। ● ३० मई २०२३ को शाखा द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन। ● २३ जून २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन, छापरमुख शाखा की साधारण सभा में सर्वसम्मति से श्री सीताराम जी अग्रवाल को अध्यक्ष तथा श्री गौरीशंकर अग्रवाल को सचिव के रूप में सत्र २०२३-२५ के लिए चुना गया। इसकी जानकारी छापरमुख शाखाध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल एवं महामंत्री श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी ने दी।

शाखा : लंका, पूर्वोत्तर

● १७ जून २०२३ को लंका शाखा द्वारा रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाल के जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया गया। ● O.P.M.G. Trust के कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों का पगड़ी एवं चुनड़ी से अभिनंदन। ● २५ जून २०२३ को मारवाड़ी सम्मेलन, लंका शाखा की सभा में पुनः से श्री केदार कुमार बजाज को अध्यक्ष तथा श्री पंकज बजाज को सचिव के रूप में चुना गया। इसकी जानकारी लंका शाखाध्यक्ष श्री केदार कुमार बजाज एवं महामंत्री श्री पंकज बजाज जी ने दी।

शाखा : रोहा, पूर्वोत्तर

● अथक प्रयासों के पश्चात रोहा शाखा के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी। शाखा ने २८ आजीवन सदस्यों की सदस्यता शुल्क का भुगतान कर दिया गया। यह त्रैमासिक रिपोर्ट पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, मंडल 'घ' के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री संजय कुमार गाड़ोदिया और प्रांतीय सहायक मंत्री श्री विकास अग्रवाल जी ने दी।

१३-१४ मई २०२३ को गुवाहाटी में आयोजित प्रांतीय एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में सभी शाखाओं के शाखा सदस्यों द्वारा अंशग्रहण किया गया।

सम्मेलन का साधारण अधिवेशन (१९३५)

(गतांक से आगे...)

स्वागताध्यक्ष का भाषण

माननीय सभापति महोदय एवं समागत बंधुओं!

आज अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के शुभ अवसर पर भारतवर्ष के प्रधान नगर इस कलकत्ते में आप बंधुओं का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत आनंद और गौरव प्राप्त होता है। इस महानगरी में आपके स्वागत के लिए सभी साधन वर्तमान में हैं; किंतु हमारी अल्प-शक्ति के कारण आपकी सेवा में अवश्य त्रुटि रही होगी, फिर भी आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप इनपर ध्यान न देकर 'पत्रं-पुष्पं-फलं तोयं' जो कुछ भी हम ला सके हैं, उन्हें ग्रहण कर जिस शुभ अनुष्ठान के लिए आप यहां एकत्रित हुए हैं उसे पूर्ण करने में कोई कसर नहीं रखेंगे।

जिस महानगरी में आज आप एकत्रित हुए हैं, वह न केवल भारतवर्ष का सबसे प्रधान नगर है, बल्कि हमारे समाज का प्रधान केंद्र स्थल है। इस नगर में हमारी संख्या जितनी अधिक है, उतनी और किसी भी स्थान में नहीं है। हमारा व्यापार जितना अधिक यहां फैला हुआ है, उतना और कहीं नहीं है। अतएव सम्मेलन के प्रथम अधिवेशन को यहां करना सर्वथा उपयुक्त है।

आज का यह सम्मेलन हमारे इतिहास में एक खास स्थान रखता है। आज के पहले आपके विभिन्न अंगों की अलग-अलग जातीय सभाएं हुई हैं; किंतु यह प्रथम अवसर है जब कि हमारे सब अंग एक स्थान में एकत्रित होकर अपनी समस्याओं को हल करने के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इसे देखकर किसे आनंद नहीं होगा कि इस समय क्या प्राचीन, क्या नवीन, क्या युवक, क्या वृद्ध सभी एक सूत्र आबद्ध होकर अपने जातीय जीवन की विभिन्न गुत्थियों को सुलझाकर अपने गौरवपूर्ण ध्येय को प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रहे हैं।

बंधुओं! आज वह समय नहीं रहा जो पहले हम और हमारे पूर्वज देख चुके हैं। समय बड़ी द्रुति गति से भारतवर्ष में घोर परिवर्तन उत्पन्न कर रहा है। भारतवर्ष की राजनैतिक आकांक्षाएँ, दिनानुदिन बढ़ती जा रही है और इसके साथ-साथ राजनैतिक तथा सामाजिक जीवन में भी घोर परिवर्तन आ गया है। जिस वक्त हमारे पूर्वज राजस्थान की पवित्र भूमि को छोड़कर देश और विदेश की ओर निकले थे उस समय की और आज की अवस्था में बहुत बड़ा अंतर है। जिस समय इस देश में अंग्रेजों का साम्राज्य बढ़ने लगा उस समय देश की राजनैतिक अवस्था के कारण देश बहुत छोटे-छोटे शासकों के अधीन था। परंतु ब्रिटिश शासन के साथ भारतवर्ष धीरे-धीरे एक शासन के अधीन ज्यों-ज्यों होता गया त्यों-त्यों देश में शांति बढ़ती गई और इसके साथ ही देश के व्यापार में बहुत बड़ा परिवर्तन उपस्थित हुआ। जो समाज अंग्रेजी भाषा में व्युत्पत्ति प्राप्त कर सका, वह सरकारी नौकरियों, वकीली, डाक्टरी, इंजीनियरिंग इत्यादि कार्यों में पड़ा; क्योंकि इनमें निश्चित आय के साथ-ही-साथ समाज में मान और प्रतिष्ठा भी बहुत अधिक प्राप्त होती थी। राज-सेवा सदा से सम्मानास्पद समझी गई। वाणिज्य और व्यापार का स्थान गौरव की दृष्टि से सदा नीचा रहा। राजस्थान में बसते हुए चतुर्वर्णों का विभाग जिस रूप में पाया जाता है, वैसा दूसरे स्थानों में शायद ही मिलेगा। जो ब्राह्मण हैं, वे ब्राह्मणोंचित वृत्तियों में ही लगे हुए हैं और जो क्षत्रिय हैं, वे प्रायः सैनिक कार्यों में ही लगे हुए हैं और जो वैश्य हैं, वे व्यापार को ही प्रधान स्थान देते आ रहे हैं। इसी राजस्थान के वैश्य समाज ने अपने प्रारब्ध की परीक्षा करने के लिए प्राणों से प्यारी मातृभूमि की ममता को त्याग, पारिवारिक सौख्य को लात मार वन-वन में भटकते हुए भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों में पदार्पण किया। इनमें शिक्षा का पूर्ण अभाव था, अतएव ये न राज-सेवा के ही उपयुक्त थे और न डाक्टरी-वकीली इत्यादि व्यवसायों को ही ग्रहण कर सकते थे। देश का वाणिज्य और व्यापार एक उपेक्षित अवस्था में था। ऐसी स्थिति में हमारे वैश्य समाज ने अपने भविष्य के लिए व्यापार को ही अपनाया। हमारी सादगी, हमारा परिश्रमी जीवन, हमारा स्वाभाविक राजस्थानी साहस और हमारी कार्यकुशलता के कारण दिन दूनी और रात चौगुनी उन्नति होने लगी। अन्य जातियाँ व्यापार और वाणिज्य को हेय दृष्टि से देखने के कारण इसे ग्रहण न कर सकीं। इन्हीं उपर्युक्त गुणों और देश की तात्कालिक अवस्था के कारण हमें यह महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ जो कि अबतक दृष्टिगोचर हो रहा था। किंतु दुख की बात है कि हमारे समाज में कतिपय ऐसे दुर्लक्षणों का प्रादुर्भाव हो गया है और देश के स्थिति में इतना परिवर्तन आ गया है कि हमें अपनी स्थिति को समझना होगा, भविष्य के ऊपर पूर्ण विचार करना होगा और वीरता तथा साहस के साथ उस मार्ग का जोरों के साथ अवलंबन करना होगा जिससे कि हम अपनी उपयोगिता को देश के लिए स्थिर रख सकें।

सबसे बड़ा परिवर्तन जो हमारे जीवन में दिखलाई दे रहा है वह यह है कि महायुद्ध के पहले हमारा ध्यान जहाँ मेहनत करके द्रव्योपार्जन करने का था वहां अब बिना परिश्रम किए थोड़े ही दिनों में लखपती हो जाने का हो गया है। पहले हमारे समाज के व्यक्ति किसी भी व्यापार को छोटा नहीं समझते थे। सच्चे व्यापार की ओर अधिक ध्यान देते थे और फाटके से दूर रहते थे। सादा जीवन व्यतीत करते थे। खर्च कम था। शांति अधिक थी। वहां अब महायुद्ध के बाद लोगों में धन की तृष्णा बहुत अधिक बढ़ गई है, मेहनत मजदूरी करके थोड़ा धन कमाने से संतोष नहीं होता। घर खर्च जो युद्ध के बाद बढ़ा सो ज्यों का त्यों बढ़ा हुआ है। सादगी की जगह विलासिता ने स्थान जमा लिया है और जहाँ लोग अपने को फाटकिया कहने में संकुचित होते थे वहां अब उससे अपने को गौरवान्वित समझते हैं। इन सब अवगुणों के साथ ही देश की परिस्थितियों में भी बड़ा फरक आ गया है। चारों ओर बेकारी की समस्या ने लोगों का ध्यान वाणिज्य-व्यापार की ओर आकर्षित किया है। सभी इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं; अब एव इसमें भी भयानक प्रतियोगिता उत्पन्न हो गई है। संसार में एक साथ ही व्यापारिक दुरवस्था आ गई है; ऐसी स्थिति में हमारे लिए जीवन का प्रश्न और भी कठिन हो गया है। आप सज्जनों का कर्तव्य होगा कि इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करें और जो निर्णय हो, उसे काम में लावें।

(साभार : अ. भा. मा. सम्मेलन के अदिवेशन के अवसर पर प्रसारित स्वागत समिति के कार्य विवरण से)

हर हाथ को काम

– डॉ. दिनेश कुमार जैन

जैसा कि हम सब को विदित ही है, हम मारवाड़ी कितने सक्षम हैं और हमने कई कीर्तिमान हासिल किऐ हैं और कहां-कहां दूर-दराज जाकर, वहां भी अपना परचम फहराया है। आज, हम सब उद्योगपतियों की दौड़ में सदैव प्रथम आते हैं। हम लोगों का समाज में, दानशीलता में प्रथम स्थान रहता है। हम सब लोग, अपनी कमाई का कुछ हिस्सा, सदैव समाज के विकास के लिए या फिर समाज सेवा के कार्य में खर्च करने को तत्पर रहते हैं, उत्सुक रहते हैं और आगे बढ़कर कुछ करने की इच्छा हमेशा रखते हैं।

इसी समाजसेवा की कड़ी में, एक और मुहिम अब शुरू करने का वक्त आ गया है। हमारे ही समाज में कुछ प्रतिशत भाई रोजगार के अभाव में कष्टमय जीन जी रहे हैं और संकोचवश आगे आकर किसी को खुलकर बोल भी नहीं पा रहे हैं। इन्हीं भाई लोगों के लिए मन में तकलीफ होती है और जिंदगी के कुछ सुख भोगते समय कभी ग्लानी भी होती है। इसी गंभीर समस्या का संपूर्ण हल करने के लिए हम सबको मिलकर समयपूर्वक, आगे बढ़कर, सामने में कुछ कदम उठाना चाहिए क्या कदम उठाने चाहिए, इसी दृष्टि से बात को आगे बढ़ाना चाहूँगा।

एक गाँव में एक बाहरी व्यक्ति माचिस खरीदने गया। उसने कई दुकानों में देखा, पर सबने उसको एक ही दुकान बताई जहाँ उसको माचिस मिल सकती थी। वो अचंभित था कि इतने बड़े गाँव में एक ही दुकान है जहाँ माचिस मिलेगी। उसने दुकानदार से पूछा कि ऐसा क्यों? संपूर्ण गाँव में माचिस की एक ही दुकान क्यों है? किसी के पास माचिस नहीं है, सिर्फ तुम्हारे पास ही माचिस है? दुकानदार ने जो कहा, वो हम सब के चक्षु खोलने के लिए बहुत पर्याप्त है।

दुकानदार ने कहा, "मैं बहुत गरीब था तो सब गाँव वालों ने सोचा कि हमलोग इसको कोई काम करवा देते हैं। तो सबने अपनी दुकानों में माचिस रखना छोड़ दिया। सबने १०/२०/५० की अपनी कमाई को बाद दिया और मैं इसके बहाने खड़ा हो गया।" ये होता है एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना, एक दूसरे को विकसित करने की भावना।

१००% समाधान के लिए हम सब क्या कर सकते हैं?

- जैसा कि अपने सब जानते हैं, जितने मारवाड़ी काम लेने वाले हैं, उससे १० गुना ज्यादा काम देने वाले हैं। अगर आपके पास कोई भी मारवाड़ी किसी भी तरह का काम लेने आए, तो आप उसकी १५ मिनट देंगे और उसको ध्यान से, संपूर्ण मन के साथ, कान लगा के सुनेंगे। अपने उसको, कहाँ काम पे लगा सकते हैं, समझते हुए अगर आपके यहाँ, उसको काम लगा सकते हैं तो अपने यहाँ जरूर उसको प्रायोरिटी दें।
- अगर वो आपके यहाँ नहीं रह पा रहा हो, तो कहाँ रह पा रहा है – ऐसा सोच विचार कर, चार-पाँच आदमियों के यहाँ फोन करके, अपने दोस्तों के यहाँ फोन करके, उसको वहाँ भेजने की चेष्टा – संपूर्ण मन से करेंगे और उसकी व्यवस्था करेंगे।
- हो सके तो, आप उसे उद्यमशीलता के लिए भी, बढ़ावा दे सकते हैं आप उसके लिए कोई व्यापार भी सोच सकते हैं। जिससे वो अपने और अपने परिवार का भरण पोषण कर सके और सम्मान से जिंदगी व्यतीत कर सके। जैसे अगर वो अपने ऑफिस के लिए कोई सामान सप्लाई कर सके, स्टेशनरी सप्लाई कर सके, अपने ऑफिस के कैंटीन में जो आइटम लगते हो – वो सप्लाई कर सकें।
- अगर आपको लगे, बहुत अच्छा भला आदमी है और रेफरेंस से आया है तो उसको ऐडवांस पेमेंट भी अपने को देनी चाहिए। जोखिम लेकर उसकी मदद करनी चाहिए, उस पर विश्वास करना चाहिए, उसको हिम्मत देनी चाहिए।

एक और कहानी से मैं अपनी अपील समाप्त करना चाहूँगा। एक व्यापारियों का झुंड एक हाट में कुछ खरीददारी करने जा रहा था। सब में एक व्यापारी जो थोड़ा कमजोर था, वो भी अपनी पूरी जमा पूँजी २५,००० लेकर उनके साथ जा रहा था। उसकी जेब कट गई। तो वह काफी दुखी हो गया, टूट गया, मानो उसकी जिंदगी पूर्ण रूप से अंधकारमय हो गई। उसने बोला.. "मेरा तो अब कुछ नहीं होगा।"

उसके साथ वाले पाँच व्यापारी आगे बढें। सबने ५००० उसको दिए बोले, "निराश मत हो – उसी तरह से जा, उसी तरह से खरीददारी कर, उसी तरह से काम कर और अपने घरवालों को भी मत बताना और हमारा पैसा भी भूल जाना।" उस व्यापारी का हौसला बहुत बढ़ गयाऊउसने एक ही साल में बहुत ज्यादा कमाई कर ली, फैक्ट्री भी खरीद ली और अपनी दुकान को आज बहुत अच्छे तरीके से चला रहा है। यह सहयोग की अगर भावना रहे तो कोई भी आदमी कभी भी खड़ा हो सकता है, निराश नहीं होगा।

वैसे देखा जाए, तो सिर्फ ५% मारवाड़ी को ही सहयोग की जरूरत है और २५% मारवाड़ी अति-अति सक्षम है। अगर हम सब व्यक्ति एक-एक परिवार को गोद ले लें, तो हमारा समाज सबसे विकसित, सबसे सक्षम, सबसे हुनरवान और सदैव की तरह गर्व करने वाला समाज बन जाएगा।

समाचार सार

समाज की बेटी खुशी बनीं राष्ट्रीय टॉपर

राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य श्री श्याम सरावगी एवं श्रीमती शीतल सरावगी की सुपुत्री खुशी सरावगी ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET UG 2023) में राष्ट्रीय टॉपर्स बनी हैं। ज्ञातव्य हो कि इस टेस्ट में पूरे देश से लगभग ११ लाख छात्र शामिल हुए थे। खुशी ने ८०० में से ७९९.६४ अंक प्राप्त किए हैं और रिजल्ट निकलने के बाद से पूरे देश की टॉप यूनिवर्सिटी से उन्हें अपने यहाँ एडमिशन लेने के लिए बुलावा आ रहा है। यहां तक कि सिंगापुर की बिजनेस स्कूल से भी उन्हें बुलावा आया है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि यह समाज के लिए गौरव की बात है कि समाज की बच्ची ने पूरे देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। खुशी एवं उसके पूरे परिवार को बहुत बधाई और शुभकामना। हम उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि अपने जीवन में वह और भी बहुत सी सफलताएँ प्राप्त करे।

श्री रमेश पेड़ीवाल को सम्मान

सिक्किम फुटबॉल संघ ने २१ जून के महत्वपूर्ण मैच में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेड़ीवाल जी को मुख्य अतिथि का सम्मान देकर समाज को गौरवान्वित किया है।

अनुवाद कृति का लोकार्पण

राजस्थानी के महत्वपूर्ण कवि डॉ. अर्जुन देव चारण की कविताओं को अनुवाद के माध्यम से हिंदी के समृद्ध पाठक वर्ग तक पहुँचाने का डॉ. नीरज दइया ने सराहनीय कार्य किया है। अनुवाद दो भाषाओं के मध्य सेतु का कार्य करता है, यह प्रक्रिया निरंतर गतिशील रहनी चाहिए। प्रतिष्ठित कवि-चिंतक डॉ. नंदकिशोर आचार्य ने ये उद्‌गार सुपरिचित कवि-आलोचक डॉ. नीरज दइया द्वारा डॉ. अर्जुन देव चारण के राजस्थानी काव्य संग्रह 'अगनसिनान' के हिंदी अनुवाद कृति के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया।

मुनि श्री से सामाजिक विषयों पर चर्चा

युग प्रधान महत्वपूर्ण आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी, सहवर्ती मुनि श्री परमानंद जी एवं मुनि श्री कुणाल कुमार जी थाना-३ के सानिध्य में साउथ कोलकाता के श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा में श्री तुलसी दुगड़, श्री कमल सेठिया एवं श्री विनोद चौरडिया ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। श्री लोहिया जी ने मुनि श्री से सामाजिक विषयों पर चर्चा की। आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज की भावना को बलवती करने पर सहमति बनी। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, मारवाड़ी सम्मेलन बलांगीर के अध्यक्ष श्री मनोज जैन ने भी चर्चा मे भाग लिया।

चंद्रयान-३ मिशन की हिस्सा रहीं सुनीता

राजस्थान की बेटी सुनीता खोखर की कुछ कर दिखाने की जिद्द ही है कि इसरो द्वारा निर्मित एवं संचालित चन्द्रयान-३ की लॉन्चिंग टीम का वह हिस्सा हैं। सुनीता खोखर डीडवाना क्षेत्र के उस डाकीपुरा गांव की रहने वाली हैं, जो आज तक भी विकसित श्रेणी के गांव में नहीं आता। यहाँ के हालात इस तरह से समझें कि यहाँ तक सरकारी रोडवेज की भी सुविधा नहीं हैं। बेहद ही साधारण परिवार से आने वाली सुनीता की पढ़ाई गाँव के ही सरकारी स्कूल में हुई और फिर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद दूसरे प्रयास में अहमदाबाद अंतरिक्ष केंद्र ज्वाइन किया। सुनीता इंजीनियरिंग उपकरणों को संचालित करने वाली टीम का हिस्सा रहीं सुनीता और उनके साथियों ने चंद्रयान-३ के सेंसर को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जो की चांद पर चंद्रयान-३ की गति और ऊंचाई का पता लगाने के लिए जरूरी है।

कविता

मारवाड़ी आपणी मायड़ वाणी

घूघरिया घमकाती, आपणी मायड़ वाणी,
सबद मीठा ज्यूं झर झर, झरणे को पाणी,
छोड़ कै मारवाड़ी, मिसरी सी मीठी वाणी,
पराई भाषा बोला, फेरूं आपां क्यां ताणी?

आपको टाबर मुंडो, खोळै होळै जो बोळै,
शीतल पून सी चोळै, हरख कै मन डोळै,
यूं ही आपणी समृद्ध भाषा, जाणी पेचाणी
पराई भाषा बोळां, आपस में क्यां ताणी?

जाण-बूझ क्यूं कर रिया, आपां मनमानी,
आपकी भाषा बोलण में, क्यूं आना-कानी,
करो यो पक्को विचार, थे छोड़द्यो नादानी,
भाषा निज सारूं बोल्यां, खटै है के हानि?

मायड़ भाषा बोल्यां, क्यांकी सरम आणी,
परगासै आत्मा की जोत, मुळकै जिंदगानी,
बण भाषा सैनानी, घणी ऊंची है लेजाणी,
पराई भाषा बोलां, आपस में क्यां ताणी?

लक्ष्मण कुमार नेवटिया

चर्चित लेखक। नेपाली, हिंदी, मारवाड़ी भाषा में व्यंग्य, कविता, हाइकु, लघुकथा लेखन तथा अनुवाद में संलग्नता। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड एवं नेपाल में कई साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित।

स्यानक घणी दिखावां क्यूं

खोटा चळन चळावां क्यूं?
अणूता खर्चा बढावाँ क्यूं?
देखादेखी नै अनदेखी करो,
पानीज्यूं पिसा बहावाँ क्यूं?

झुट्ठी स्यानक दिखावा क्यूं?
नुवीं नुवीं लाग ळगावां क्यूँ?
हेकड़ी दिखानी बन्द करोजी,
जाण्योड़ी बात भुळावां क्यूं?

जगत में हांसी हंसावा क्यूं?
काळियो नाग डसावां क्यूं?
पळाँ घणाई फंस्या पड्या हां,
और अब खुदनै फंसावाँ क्यूँ?

समझ्योड़ा नै समझावां क्युँ?
बिगड्या है रासा बतावाँ क्युँ?
सारी कमाई एकदिन में सल्टाई,
बुद्धि नै उल्टी लटकावाँ क्यूँ?

एक का चार चुकावां क्यूँ?
इभेंटा नै भेंट चढावां क्यूँ?
आपकै घर में चुप हो बेठ्या,
अब औरांनै सूझ सुझावां क्यूँ?

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। इस सम्मान के अंतर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्ग व्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रूंगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्य एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सीताराम रुंगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि केअतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्ग व्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी कानोड़िया की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गई है। इसके अंतर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्ग व्यय एवं निवास आदि का व्यवस्था भी दी जाती है।

वर्षा ऋतुचर्या में होने वाले रोग से बचाव व उपाय

– डॉ. दर्शन बांगिया

वर्षा ऋतु में वायु का विशेष प्रकोप तथा पित्त का संचय होता है। वर्षा ऋतु में वातावरण के प्रभाव के कारण स्वाभाविक ही जठराग्नि मंद रहती है, जिसके कारण पाचनशक्ति कम हो जाने से अजीर्ण, बुखार, वायुदोष का प्रकोप, सर्दी, खाँसी, पेट के रोग, कब्जियत, अतिसार, प्रवाहिका, आमवात, संधिवात आदि रोग होने की संभावना रहती है।

इन रोगों से बचने के लिए तथा पेट की पाचक अग्नि को सँभालने के लिए आयुर्वेद के अनुसार उपवास तथा लघु भोजन हितकर है। इसलिए हमारे आर्षदृष्टा ऋषि-मुनियों ने इस ऋतु में अधिक-से-अधिक उपवास का संकेत कर धर्म के द्वारा शरीर के स्वास्थ्य का ध्यान रखा है।

इस ऋतु में जल की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। जल द्वारा उत्पन्न होने वाले उदर-विकार, अतिसार, प्रवाहिका एवं हैजा जैसी बीमारियों से बचने के लिए पानी को उबालें, आधा जल जाने पर उतारकर ठंडा होने दें, तत्पश्चात हिलाये बिना ही ऊपर का पानी दूसरे बर्तन में भर दें एवं उसी पानी का सेवन करें। जल को उबालकर ठंडा करके पीना सर्वश्रेष्ठ उपाय है। आजकल पानी को शुद्ध करने हेतु विविध फिल्टर भी प्रयुक्त किए जाते हैं। उनका भी उपयोग कर सकते हैं। पीने के लिए और स्नान के लिए गंदे पानी का प्रयोग बिलकुल न करें, क्योंकि गंदे पानी के सेवन से उदर व त्वचा संबंधी व्याधियाँ पैदा हो जाती हैं। (भाई राजीव दीक्षित जी के ज्ञानानुसार इस मौसम में ताम्रपत्र का रखा जल ही सेवन करना चाहिए)

५०० ग्राम हरड़ और ५० ग्राम सेंधा नमक का मिश्रण बनाकर प्रतिदिन ५-६ ग्राम लेना चाहिए।

पथ्य आहार : इस ऋतु में वात की वृद्धि होने के कारण उसे शांत करने के लिए मधुर, अम्ल व लवण रसयुक्त, हलके व शीघ्र पचने वाले तथा वात का शमन करने वाले पदार्थों एवं व्यंजनों से युक्त आहार लेना चाहिए।

सब्जियों में मेथी, सहिजन, परवल, लौकी, सरगवा, बथुआ, पालक एवं सूरन हितकर हैं। सेवफल, मूँग, गरम दूध, लहसुन, अदरक, सोंठ, अजवायन, साठी के चावल पुराना अनाज, गेहूँ, चावल, जौ, खट्टे एवं खारे पदार्थ, दलिया, शहद, प्याज, गाय का घी, तिल एवं सरसों का तेल, महुए का अरिष्ट, अनार, द्राक्ष का सेवन लाभदायी है।

पूरी, पकौड़े तथा अन्य तले हुए एवं गरम तासीर वाले खाद्य पदार्थों का सेवन अत्यंत कम कर दें।

अपथ्य आहार : गरिष्ठ भोजन, उड़द, अरहर, चौला आदि दालें, नदी, तालाब एवं कुएँ का बिना उबाला हुआ पानी, मैदे की चीजें, ठंडे पेय, आइसक्रीम, मिठाई, केला, मट्ठा, अंकुरित अनाज, पत्तियों वाली सब्जियाँ नहीं खाना चाहिए तथा देवशयनी एकादशी के बाद आम नहीं खाना चाहिए।

पथ्य विहार : अंगमर्दन, उबटन, स्वच्छ हलके वस्त्र पहनना योग्य है।

अपथ्य विहार : अति व्यायाम, स्त्री संग दिन में सोना, रात्रि जागरण, बारिश में भीगना, नदी में तैरना, धूप में बैठना, खुले बदन घूमना त्याज्य है।

इस ऋतु में वातावरण में नमी रहने के कारण शरीर की त्वचा ठीक से नहीं सूखती। अतः त्वचा स्वच्छ, सूखी व स्निग्ध बनी रहे। इसका उपाय करें ताकि त्वचा के रोग पैदा न हों। इस ऋतु में घरों के आस-पास गंदा पानी इकट्ठा न होने दें, जिससे मच्छरों से बचाव हो सके।

इस ऋतु में त्वचा के रोग, मलेरिया, टायफायड व पेट के रोग अधिक होते हैं। अतः खाने पीने की सभी वस्तुओं को मक्खियों एवं कीटाणुओं से बचाएँ व उन्हें साफ करके ही प्रयोग में लें। बाजारू दही व लस्सी का सेवन न करें।

चातुर्मास में आँवले और तिल के मिश्रण को पानी में डालकर स्नान करने से दोष निवृत्त होते हैं।

धनिया

हरा भी मन भरा भी स्वाद सुगंध के साथ आयुर्वेदिक दवा का राजा भी जानिए धनिया के और गुण

धनिया क्यों फायदेमंद होता है?

धनिया हर भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा है। बतौर मसाला और व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए इसे खूब इस्तेमाल किया जाता है। चाहे धनिया की हरी ताजा पत्तियों की बात हो या इसके सूखे हुए बीज, इनका इस्तेमाल घर-घर में किया जाता है। आधुनिक विज्ञान ने धनिया के अनेक औषधीय गुणों को प्रमाणित किया है। आज हम आपको इससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान के बारे में बताने जा रहे हैं। हरे ताजे धनिया की पत्तियां लगभग २० ग्राम और उसमें चुटकी भर कपूर मिलाकर पीसकर रस छान लें। इस रस की दो बूंदें नाक के छिद्रों में दोनों तरफ टपकाने से तथा रस को माथे पर लगा कर हल्का-हल्का मलने से नाक से निकलने वाला खून, जिसे नकसीर भी कहा जाता है, तुरंत बंद हो जाता है।

थोड़ा-सा ताजा हरा धनिया कुचलकर पानी में उबालकर ठंडा होने के बाद मोटे कपड़े से छान कर शीशी में भर लें। इसकी दो बूंदें आंखों में टपकाने से आंखों में जलन, दर्द तथा आंख से पानी गिरना जैसी समस्याएँ दूर होती हैं।

धनिया महिलाओं में मासिक धर्म संबंधी समस्याओं को भी दूर करता है। यदि मासिक धर्म साधारण से ज्यादा हो, तो आधा लीटर पानी में लगभग ६ ग्राम धनिया के बीज डालकर खौलाएँ और इसमें शक्कर डालकर पिएँ, फायदा होगा।

धनिया को मधुमेह नाशी माना जाता है। इसके सेवन से खून में इंसुलिन की मात्रा नियंत्रित रहती है। धनिया त्वचा के लिए भी फायदेमंद है।

धनिया की पत्तियों के कुचलकर इसकी १ चम्मच मात्रा लेकर चुट की भर हल्दी का चूर्ण मिलाकर चेहरे पर दिन में कम से कम २ बार लगाएँ। इससे मुंहासों की समस्या दूर होती है और यह ब्लैकहेड्स को भी हटाता है। सौंफ, मिश्री व धनिया के बीजों की समान मात्रा लेकर चूर्ण बना कर ६-६ ग्राम प्रतिदिन भोजन के बाद खाने से हाथ-पैर की जलन, एसिडिटी, आंखों की जलन, पेशाब में जलन व सिर दर्द दूर होता है।

28 YEARS OF EXCELLENCE & COMMITMENT

Be a part of our family

AND GROW WITH US AS OUR PARTNER

200+ TEAM ARE WAITING FOR YOU

PERFECT REASONS FOR PARTNERSHIP

- No Risk
- Continuous Support
- Not much cost involved
- Partner for your own location

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata | Ranchi | Bangalore | Chennai

www.aumcap.com

FOR FURTHER QUERIES REACH US AT

aumcares@aumcap.com

/ AumCap

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

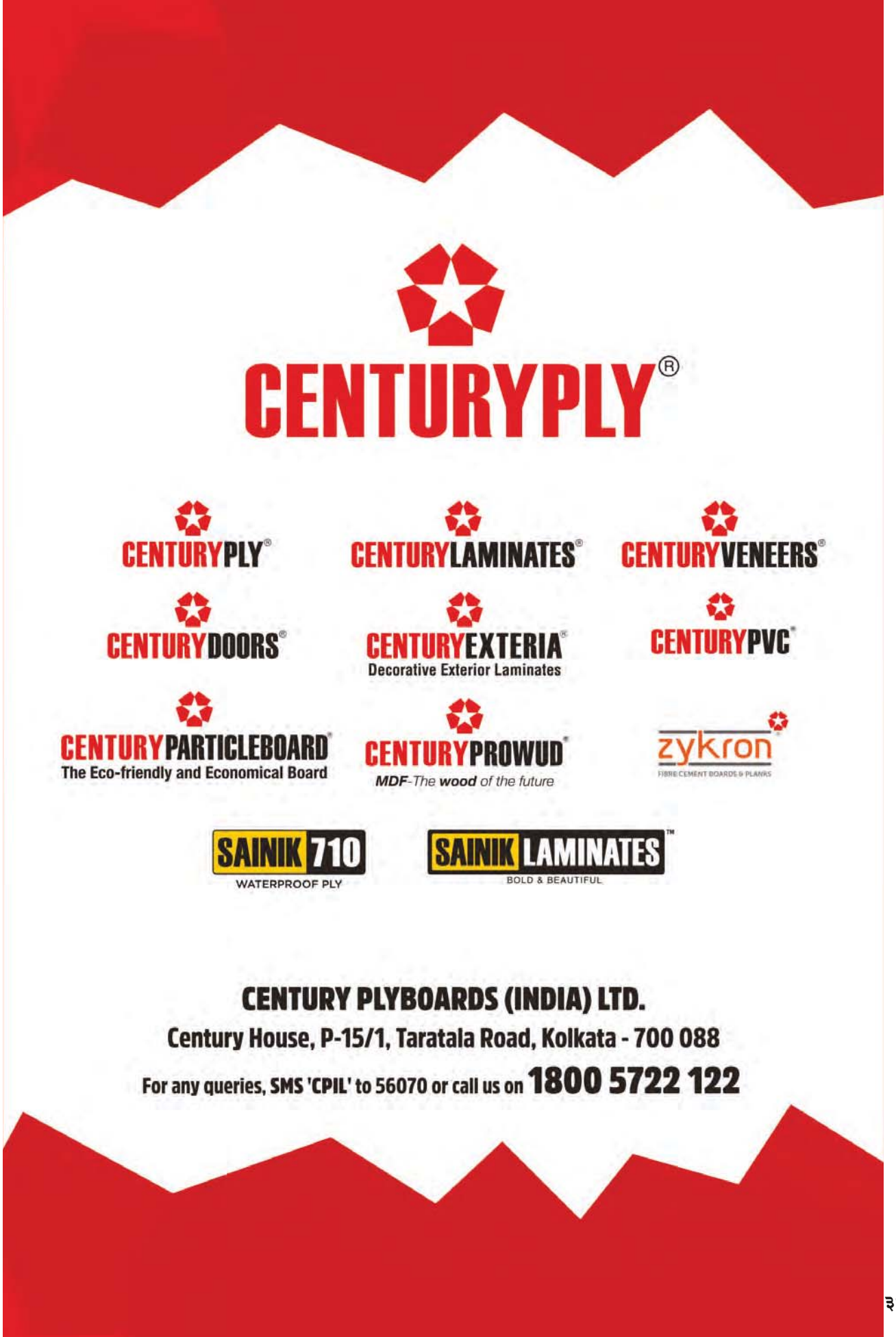
CENTURYPLY®
CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL
CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 26th July 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com